राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण सोमवार 26 जून 2023 वर्ष–6,अंक–152 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

विपक्षी एकता की जड़ में मट्टा डालने के लिए अध्यादेश तो सिर्फ बहाना, केजरीवाल का कहीं और है निशाना

नई दिल्ली। 23 जून को बिहार की राजधानी पटना में केंद्र की सत्ताधारी पार्टी बीजेपी के खिलाफ 15 राजनीतिक दलों के नेताओं का महाजुटान हुआ और 2024 की लड़ाई में एकजुट होने पर सहमति का ऐलान किया गया।हालांकि, साझा प्रेस कॉन्फ्रेन्स से पहले ही 15 में से एक दल (आम आदमी पार्टी) के नेता वहां से निकल लिए। दिल्ली के मुख्यमंत्री और आप संयोजक केजरीवाल ने महाजुटान में शर्त रखी थी कि सभी दल दिल्ली में ट्रांसफर-पोस्टिंग पर लाए गए अध्यादेश के खिलाफ राज्यसभा में बिल का विरोध करें। केजरीवाल चाहते थे कि कांग्रेस इस पर अपनी सहमति दे लेकिन जब ऐसा नहीं हुआ तो वह अपने दल-बल (भगवंत मान, संजय सिंह और राघव चड्ढा) के साथ वहां से निकल लिए।

कांग्रेस के सिर फोड़ा तोहमत का घड़ा

दिल्ली पहुंचकर केजरीवाल ने बयान जारी करते हुए साफ कर दिया कि केंद्र सरकार के अध्यादेश पर कांग्रेस का रुख स्पष्ट हुए बिना विपक्षी एकता की बात बेमानी है और कांग्रेस का यही रुख रहा तो ऐसे किसी भी प्रयास में आगे आप का शामिल होना मुश्किल होगा। बयान जारी कर आप ने विपक्षी एकता की पहली बैठक में ही उसकी आशंकित विफलता और तोहमत का घड़ा कांग्रेस के मत्थे फोड़ दिया है।

दरअसल, आप और कांग्रेस के राजनीतिक हितों का टकराव उन राज्यों (दिल्ली और पंजाब) में सबसे ज्यादा है, जहां आम आदमी पार्टी सत्ता में है क्योंकि कांग्रेस को ही हटाकर आप वहां सत्ता पर काबिज हुई है। इतना ही नहीं आप ने गुजरात में भी कांग्रेस को बड़ा नुकसान पहुंचाया है और कांग्रेस की कीमत पर ही आप की साख वहां भी बढ़ी है।

कांग्रेस के लिए आप बड़ा खतरा

आम आदमी पार्टी कांग्रेस के लिए बड़ा खतरा साबित हुई है। 2013 में दिल्ली विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की हार से ही आप के विजय पथ की शुरुआत हुई थी, जो अब पंजाब तक पूर्ण बहुमत वाली सरकार केस रूप में स्थापित हो चुकी है। इसके अलावा गोवा और गुजरात में भी आप ने कांग्रेस वोट बैंक में सेंध लगाते हुए अपनी अच्छी उपस्थिति दर्ज कराई है।

आप को चार राज्यों दिल्ली, गोवा, पंजाब और गुजरात में उसके चुनावी प्रदर्शन के आधार पर एक राष्ट्रीय पार्टी के रूप में दर्जा दिया गया है। यानी इस मामले में वह कांग्रेस के बराबर आ चुकी है।

आगामी चुनावों में आप की रणनीति से कांग्रेस परेशान

आम आदमी पार्टी ने ऐलान किया है कि वह मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में इस साल के अंत तक होने वाले विधानसभा चुनावों में भी उम्मीदवार उतारेगी। बता दें कि एमपी के नगरीय निकाय चुनावों में आप को अच्छी सफलता मिली थी। इससे पार्टी उत्साहित है और एमपी में उसके कार्यकर्ता पहले से ही एक्टिव हैं। आप ने मध्य प्रदेश को चार जोन में बांट कर चुनावी तैयारी भी शुरू कर दी है।

कांग्रेस को आप की यह बात भी नहीं पच रही है क्योंकि यहां भी वह कांग्रेस के वोट बैंक में सेंधमारी कर ही कोई मुकाम बना सकेगी, जबकि कांग्रेस कमलनाथ की अगुवाई में फिर से राज्य में सत्ता हासिल करने के लिए जी-तोड़ मेहनत कर रही है। आप ने सभी 230 सीटों पर उम्मीदवार उतारने की योजना बनाई है और उसके लिए संपर्क अभियान तेज कर दिया है।

छत्तीसगढ़ और राजस्थान में कांग्रेस को ही चुनौती

छत्तीसगढ़ और राजस्थान, जहां कांग्रेस की ही सरकार है, वहां भी आप ने चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। आप ने न केवल वहां नई प्रदेश कार्यकारिणी का गठन किया है बल्कि चुनाव जीतने के लिए बड़ा दांव भी खेला है। आप ने घोषणा की है कि अगर राज्य में उनकी सरकार बनी तो वह किसानों से 2500 रुपए से ज्यादा की कीमत पर धान की खरीद करेगी। अगले हफ्ते अरविंद केजरीवाल और पंजाब के सीएम भगवंत मान के छत्तीसगढ़ जाने का भी कार्यक्रम है।

झारखंड के इस IAS अधिकारी पर लगा सेना की जमीन हड़पने का आरोप, ED ने दर्ज किया मामला

नई दिल्ली। 2011 बैच के झारखंड कैडर के आईएएस अधिकारी छवि रंजन को रांची में सेना की 4.55 एकड़ जमीन धोखाधड़ी से बेचने के मामले में आरोपी बनाया गया है। साथ ही उनके खिलाफ सर्कल कार्यालयों से हर महीने 2 लाख रुपये जबरन वसूली करने का भी आरोप है। मामले की जांच कर रहे प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अनुसार, उन्होंने कथित तौर पर बिचौलियों की मिलीभगत से जमीन हासिल की। ईडी के द्वारा 12 जून को रांची की एक अदालत में मामला दर्ज किया गया। रांची की पीएमएलए कोर्ट ने 19 जून को ईडी की शिकायत पर संज्ञान लिया। आपको बता दें कि पूजा सिंघल के बाद छवि रंजन झारखंड कैडर के दूसरे आईएएस अधिकारी हैं, जिन्हें पिछले एक साल में मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने गिरफ्तार किया है। वह फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं। शिकायत के अनुसार, ईडी को दिए अपने बयान में छवि रंजन ने मामले में अपनी संलिप्तता और किसी भी आरोपी को जानने से इनकार किया है। हालांकि, एजेंसी ने दावा किया कि अन्य आरोपियों ने छवि रंजन के साथ कई बैठकों का जिक्र किया है। अवैध खनन मामले के आरोपियों में से एक प्रेम प्रकाश और छवि रंजन के बीच कथित तौर पर अधिकारी के इशारे पर बिरसा मुंडा जेल में 40 मिनट की मुलाकात हुई थी। ईडी की शिकायत के मुताबिक, इस मामले में तीन कंपनियों के मालिक और रंजन समेत नौ लोग आरोपी हैं। ईडी ने आरोप लगाया कि एक अन्य आरोपी अफसर अली इस गिरोह का सरगना था, जो अतिरिक्त पेज बनाकर फर्जी रजिस्टर बनाता था, जिससे जमीन की प्रकृति बदल जाती थी। आरोप लगाया गया है कि फैयाज पहले झारखंड में सर्कल कार्यालयों और अन्य भूमि राजस्व कार्यालयों में फर्जी संपत्ति विलेख, हेराफेरी या मूल रिकॉर्ड उपलब्ध कराने में शामिल था।

अमरनाथ यात्रा शुरू होने से पहले जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा कड़ी, ड्रोन से निगरानी

जम्मू। अमरनाथ यात्रा 1 जुलाई से दो महीने की अवधि के लिए शुरू होगी। यात्रा से पहले जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा कड़ी कर द गई है। सुरक्षा बलों द्वारा सुरक्षा निगरानी के लिए ड्रोन इस्तेमाल किया जा रहा है। अमरनाथ की पवित्र गुफा की प्रसिद्ध तीर्थयात्रा 1 जुलाई, 2023 से शुरू होने वाली है। यदि आप यात्रा की योजना बना रहे हैं तो आपको अपना पंजीकरण कराना होगा। यहां जानिये मुख्य जानकारियां। बाबा अमरनाथ बर्फानी की यात्रा जल्द ही शुरू होने वाली है। यह मंदिर केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर में स्थित है। 62 दिनों तक चलने वाली अमरनाथ यात्रा 1 जुलाई को पहलगाम के नुनवान और मध्य कश्मीर के गांदरबल जिले के बालटाल के दो पारंपरिक मार्गों से शुरू होगी। व्यक्ति ऑनलाइन और

ऑफलाइन दोनों चैनलों का उपयोग करके पंजीकरण कर सकते हैं। दक्षिण कश्मीर हिमालय में 3,880 मीटर की ऊंचाई पर स्थित अमरनाथ के पवित्र गुफा मंदिर की वार्षिक तीर्थयात्रा 1 जुलाई से शुरू होगी और 31 अगस्त तक जारी रहेगी।

ंअमरनाथ यात्रा 2023 के लिए पंजीकरण कैसे करें?

अमरनाथ यात्रा पर जाने के लिए पूर्व पंजीकरण अनिवार्य है। पंजीकरण पीएनबी, एसबीआई, यस बैंक और जम्मू और कश्मीर बैंक की कुछ शाखाओं में आयोजित किए जा रहे हैं। यदि आप ऑनलाइन पंजीकरण करना चाहते हैं तो आप इस लिंक पर क्लिक कर सकते हैं। https://jksasb.nic.in/ या श्री अमरनाथ जी यात्रा ऐप डाउनलोड करें। वेबसाइट पर कोई भी व्यक्ति आसानी से रजिस्ट्रेशन करा सकता है। आपको अपने राज्य में अधिकृत डॉक्टर/अस्पताल द्वारा जारी मेडिकल सर्टिफिकेट और एक पासपोर्ट साइज फोटो की आवश्यकता होगी।

गहलोत खुद ले रहे महंगाई राहत शिविरों का फीडबैक

जयपुर। राजस्थान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की पहल पर सरकार की दस कल्याणकारी योजनाओं का लाभ जनता तक पहुंचाने के लिए चल रहे महंगाई राहत शिविरों के प्रति प्रदेश के लोगों ने काफी उत्साह दिखाया है और अब तक एक करोड़ 70 लाख से अधिक परिवार लाभ उठा चुके हैं और 7.35 करोड़ से अधिक गारंटी कार्ड वितरित हुए वहीं मुख्यमंत्री खुद इन शिविरों में पहुंचकर बराबर फीडबैक ले रहे हैं। प्रदेश में गत 24 अप्रैल से शुरू हुए इन शिविरों के प्रारंभ होने के बाद से श्री गहलोत राज्य के विभिन्न जिलों में लगातार जाकर शिविरों का निरीक्षण कर रहे हैं, इनमें आने वाले लोगों से संवाद कर उनसे फीडबैक ले रहे हैं। इसके बाद लोगों को आ रही समस्या के निदान के निर्देश भी दे रहे हैं । इससे शिविरों में काम कर रहे अधिकारियों एवं कर्मचारियों की लोगों के काम के प्रति लापरवाही भी सामने नहीं आ रही है और उन्हें योजनाओं के बारे सही जानकारी मिलने लगी और लोगों का इस शिविर के प्रति उत्साह बढ़ता जा रहा है। मौके पर जाकर लगातार शिविरों का

निरीक्षण कर रहे श्री गहलोत का कहना है कि इन शिविरों में सरकारी अधिकारी एवं कर्मचारी जिस उत्साह के साथ काम कर रहे, वह पहले कभी नहीं देखा गया और सब मिलकर गरीबों के कल्याण का काम कर रहे हैं जो एक जूनून भरा काम है। इस जूनून एवं चुनौती को स्वीकार करते हुए काम चल रहा है और इन शिविरों में कितने लोगों को फायदा मिल रहा है, यह देख कर आंखू में आंसू छलक जाते हैं।

उन्होंने कहा कि जयपुर के भानपुर कलां महंगाई राहत शिविर के निरीक्षण के दौरान दिव्यांगों, बुजुर्गों, बेटियों एवं हर वर्ग ने अपेक्षा के अनुरूप मिल रही राहत के प्रति संतुष्टि प्रदान की है हैऔर सरकार की मेहनत रंग लाई है। शनिवार शाम तक इन कैम्पों के माध्यम से 1.70 करोड़ परिवारों को लाभान्वित किया जा चुका है जबकि 7.35 करोड़ से अधिक गारंटी कार्ड वितरित किए जा चुके हैं। प्राप्त आंकड़ों के अनुसार इनमें सर्वाधिक मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना एवं मुख्यमंत्री चिरंजीवी दुर्घटना बीमा योजना में 1.27 करोड़ लोगों ने अपना पंजीयन कराया है।

शाह ने केंद्र की ओर से हर संभव मदद का आश्वासन दिया

नयी दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने असम में मूसलाधार वर्षा के कारण बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न होने के मद्देनजर मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा शर्मा से बात कर उन्हें केंद्र की ओर से हर संभव मदद का आश्वासन दिया है।

श्री शाह ने रविवार को ट्वीट कर कहा कि असम में मूसलाधार बारिश के कारण बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई है और मैंने मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा शर्मा से बात की है तथा उन्हें केंद्र की ओर से हर संभव मदद का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल

की टीमें पहले से ही वहां राहत और बचाव कार्य में जुटी हैं तथा जरूरत पड़ने पर पर्याप्त संख्या में सुरक्षाबलों को स्थिति से निपटने के लिए तैयार रखा गया है। शाह ने कहा कि मोदी सरकार संकट की घड़ी में हमेशा असम के लोगों के साथ खड़ी रही है और केंद्र की ओर से राज्य सरकार को हर तरह की मदद पहुंचाई जाएगी।

उल्लेखनीय है कि असम में मूसलाधार बारिश हो रही है जिससे कई इलाकों में पानी भर गया है।

दिल्ली में गली-गली बिकेगी दारू? 234 और नई शराब की दुकानें खुलीं

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में शराब की दुकानों की संख्या अब और बढ़ गई है। सितंबर 2022 में जहां दिल्ली में कुल शराब की दुकानों की संख्या 350 थी, जो अब जून 2023 में बढ़कर 584 हो गई गई है। आबकारी विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, सरकार का लक्ष्य दिल्ली में 700 शराब की दुकानें खोलने का है। दिल्ली सरकार ने 2021-22 की आबकारी नीति को वापस ले लिया था और 2020-21 की पुरानी आबकारी नीति को वापस ले आई थी। पिछली आबकारी नीति व्यवस्था पर वापस लौटते समय, आबकारी विभाग ने कहा था कि दिल्ली में शराब की दुकानों की संख्या 350 से दोगुनी होकर 700 हो

जाएगी। शनिवार को एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर पुष्टि की कि वे अभी भी इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए काम कर रहे हैं।

दिल्ली में हर दिन बिकती है 13 लाख बोतल शराब

उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य 700 शराब की दुकानें खोलने का है। 234 नई सहित 584 दुकानों में से अधिकांश, पुरानी सरकार द्वारा संचालित शराब की दुकानों की तुलना में आकार में बड़ी हैं, और उनमें से कई मॉल और कॉमर्शियल कॉम्पलेक्सों में भी खोली गई हैं। दिल्ली में हर दिन करीब 13 लाख बोतल शराब की बिक्री होती है।

हालांकि, शराब की दुकानों की संख्या में वृद्धि के बावजूद, उपभोक्ताओं को अभी भी शराब खरीदने में कई दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। कई लोग खराब सप्लाई के साथ-साथ ब्रांडों के चयन की कमी के बारे में भी शिकायत करते हैं। अधिकारियों ने यह भी स्वीकार किया कि इन मुद्दों के कारण, दिल्ली पड़ोसी शहरों गुरुग्राम और नोएडा के ग्राहकों को खो रही है।

इन ब्रांडों की शराब पर है रोक

अधिकारियों ने कहा कि कई ब्रांड दिल्ली में अब उपलब्ध नहीं हैं क्योंकि आबकारी विभाग ने शराब नीति मामले में चल रही जांच पर बिक्री लाइसेंस के लिए फ्रांसीसी स्पिरिट कंपनी पेरनोड रिकार्ड, इंडोस्पिरिट्स और ब्रिंडको के आवेदन को खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि पेरनोड रिकार्ड उनमें से एक है जो दुनिया की सबसे बड़ी शराब कंपनियां और चिवास रीगल, 100 पाइपर्स, ग्लेनलिवेट, एब्सोल्यूट और जैकब क्रीक जैसे सैकड़ों प्रीमियम ब्रांड पेश करती हैं।

मणिपुर में महिलाओं के झुंड ने सुरक्षा बलों पर बोला धावा, 12 उग्रवादियों को छोड़ने पर मजबूर हुई सेना

नई दिल्ली। पिछले 50 दिनों से जातीय हिंसा की आग में धधक रहे मणिपुर में महिलाओं के एक झुंड ने सुरक्षाकर्मियों पर धावा बोलकर 12 उग्रवादियों को छुड़ा लिया है। सुरक्षा बलों ने कहा कि पकड़े गए 12 कांगलेई यावोल कन्ना लुप उग्रवादियों को तब छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा, जब महिलाओं के नेतृत्व वाले करीब 1,500 लोगों की भीड़ ने उन्हें घेर लिया और तलाशी अभियान को विफल कर दिया। मामले से वाकिफ अधिकारियों ने नाम न छापने की शर्त पर ये जानकारी दी है।

सेना के एक प्रवक्ता ने भी घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि दिन में सेना ने तलाशी अभियान के तहत 12 केवाईकेएल सदस्यों को पकड़ा था, उनमें मोइरंगथेम तम्बा उर्फ उत्तम भी शामिल था, जो 2015 में घात लगाकर किए गए हमले का मास्टरमाइंड था, जिसमें 18 सैन्यकर्मियों की मौत हो गई थी।

सेना के प्रवक्ता ने कहा, दोपहर लगभग 2.30 बजे, विशिष्ट खुफिया सूचनाओं पर कार्रवाई करते हुए, इम्फाल पूर्व के इथम गांव में सुरक्षा बलों ने एक ऑपरेशन शुरू किया था। इस ऑपरेशन के तहत गांव की घेराबंदी की गई थी, जिसमें 12 केवाईकेएल कैडरों को हथियारों, गोला-बारूद के साथ पकड़ा गया

था। पकड़े गए 12 लोगों में से 2015 के डोगरा घात मामले के मास्टरमाइंड, स्वयंभू लेफ्टिनेंट कर्नल मोइरांगथेम तम्बा उर्फ उत्तम की पहचान की गई थी। सेना अधिकारी ने कहा, थोड़ी ही देर के बाद, महिलाओं और स्थानीय नेताओं के नेतृत्व में करीब 1,200 से 1,500 की भीड़ ने तुरंत ऑपरेशन वाले इलाके को घेर लिया और सुरक्षा बलों के ऑपरेशन को आगे बढ़ने से रोक दिया। महिलाओं की आक्रामक भीड़ से बार-बार अपील की गई कि सुरक्षा बलों को कानून के मुताबिक ऑपरेशन जारी रखने दें, लेकिन कोई नतीजा नहीं निकला।

अधिकारी ने कहा, महिलाओं की आक्रामकता और मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए 12 KYKL उग्रवादी कैडरों को उन्हें वापस सौंप दिया गया। हालाँकि, सुरक्षा बलों ने बरामद विस्फोटकों और अन्य हथियारों को जब्त कर लिया। महिलाओं के नेतृत्व वाली भीड़ द्वारा सुरक्षा बलों को तलाशी अभियान चलाने से रोकने का मुद्दा पूरे मणिपुर में हो रहा है। 22 जून को, महिला प्रदर्शनकारियों के नेतृत्व में एक भीड़ ने सीबीआई टीम को आगे जाने से रोक दिया था, जो हथियारों की लूट की जांच के लिए मणिपुर पुलिस प्रशिक्षण कॉलेज में प्रवेश कर रही थी। 23 जून को भी सेना ने ट्वीट किया था कि महिलाओं के नेतृत्व में भीड़ ने सुरक्षाकर्मियों को उस इलाके में पहुंचने से रोक दिया, जहां हथियारबंद बदमाश स्वचालित बंदूकों से गोलीबारी कर रहे थे।

बता दें कि 3 मई से मेइती और कुकी समुदायों के बीच फैली जातीय हिंसा में अबतक 115 लोगों की जान जा चुकी है। मेइती समुदाय को अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा देने के एक अदालती फैसले के बाद पहली बार दोनों समुदायों के बीच 3 मई को झड़प हुई थी। इसके बाद जातीय हिंसा ने तुरंत राज्य को अपनी चपेट में ले लिया और देखते ही देखते सैकड़ों घरों को आग के हवाले कर दिया गया। इस हिंसा से हजारों लोग विस्थापित हुए हैं और भागकर पड़ोसी राज्यों में शरण लिए हुए हैं।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

भयावह संकेत

यह रिपोर्ट भावी पीढ़ियों के भविष्य को लेकर गहरी चिंता जगाती है कि यदि बढ़ते पर्यावरणीय तापमान को कम करने के गंभीर प्रयास न हुए तो आने वाले आठ दशकों के बाद हिंदूकुश हिमालय क्षेत्र के अस्सी फीसदी ग्लेशियर पिघल जाएंगे। निस्संदेह इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट की यह चेतावनी खतरे की घंटी है कि सुधर जाइए अन्यथा कुदरत के रौद्र का सामना करने के लिये तैयार रहें। अध्ययन के निष्कर्षों के आधार पर आशंका है कि यदि ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन इसी तरह बढ़ता रहा तो हिंदूकुश हिमालयी क्षेत्र के अस्सी फीसदी ग्लेशियर वर्ष 2100 तक नष्ट हो जाएंगे। ध्यान रहे कि दुनिया में ध्रुवीय इलाकों के अलावा सबसे ज्यादा बर्फ इन्हीं इलाकों में जमा है। जिसे एकत्र होने में हजारों साल लगे हैं। अध्ययन के निष्कर्ष चौंकाने वाले हैं कि इस सदी के पहले दशक के मुकाबले दूसरे दशक में ग्लेशियर 65 फीसदी तीव्र गति से पिघले हैं, जो स्थिति की भयावहता को ही दर्शाते हैं। ग्लोबल वार्मिंग से होने वाले नुकसान के स्तर का पता इस बात से चलता है कि वर्ष 2100 तक यदि इसी गति से ग्लेशियर पिघलते रहे तो इस क्षेत्र के दो अरब लोगों के रोजगार व जीवन पर भयावह असर पड़ेगा। इससे न केवल हमारी सिंचाई व्यवस्था ध्वस्त हो जायेगी , बल्कि पशुधन की भी भारी क्षति होगी। हिंदूकुश हिमालय क्षेत्र के ग्लेशियर और बर्फ से आच्छादित पर्वत श्रृंखलाओं से जो जीवनदायी पानी क्षेत्र की बारह नदियों के लिये निकलता है, वो करीब चौबीस करोड़ लोगों के पेयजल का मुख्य स्रोत भी है। इतना ही नहीं, यदि तेजी से ग्लेशियर पिघलते हैं तो भीषण बाढ़-हिमस्खलन से भारी पैमाने पर मानवीय क्षति भी होगी। दो साल पहले उत्तराखंड के चमोली जनपद में ग्लेशियर टूटने से आई तबाही को दुनिया ने देखा था। हमें भविष्य में ऐसे संकटों के लिये तैयार रहना होगा। उल्लेखनीय है कि हिंदूकुश पर्वत श्रृंखला में पिघलते ग्लेशियरों पर अध्ययन करने वाले इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट नामक अंतर-सरकारी संगठन में भारत, चीन, नेपाल, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, भूटान व म्यांमार के सदस्य शामिल हैं। अध्ययन चेताता है कि यदि ग्लोबल वार्मिंग दो डिग्री सेल्सियस से नीचे रहती है तो क्षेत्र के ग्लेशियर वर्ष 2100 तक तीस से पचास प्रतिशत तक पिघलेंगे। लेकिन यदि तापमान दो डिग्री से ज्यादा होता है तो इनके पिघलने की दर 55 से अस्सी फीसदी तक रह सकती है। आसन्न संकट के मद्देनजर दुनिया के विकसित व विकासशील देशों को इसे खतरे की घंटी मानते हुए युद्ध स्तर पर प्रयास करने होंगे। अन्यथा करोड़ों लोगों का जीवन संकट में फंस जायेगा। इससे जहां इन देशों की खाद्य सुरक्षा तहस-नहस हो जाएगी, वहीं प्राकृतिक आपदा कई रूपों में कहर बरपाएगी। सिंचाई के संसाधन नष्ट होने से खाद्यान्न संकट गहरा जायेगा। चमोली गढ़वाल इलाके में वर्ष 2021 में आई प्रलयंकारी बाढ़ के मूल में भी ग्लेशियर टूटने से आया सैलाब बताया जाता रहा है। बताया जा रहा है कि इस इलाके में कई जगह ग्लेशियर पिघलने से छोटी-छोटी झीलें बन गई हैं। इनमें पानी का लेवल बढ़ जाने से ये झीलें टूट जाती हैं, जिससे नदियों में बाढ़ आ जाती है। वर्ष 2013 की केदारनाथ दुर्घटना के मूल में भी ग्लेशियर टूटने के बाद आई बाढ़ को बताया जाता रहा है। विशेषज्ञ बताते हैं कि चमोली जनपद के इस इलाके में एक हजार के लगभग ग्लेशियर हैं। तापमान बढ़ने से जब विशाल हिमखंड टूटते हैं तो भारी मात्रा में पानी निकलता है। हिमस्खलन के साथ चट्टानें व मिट्टी टूटकर नीचे आने से बाढ़ की स्थिति बन जाती है।

आज का राशिफल

मेष – पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाई या पड़ोसी से तनाव मिलेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं।

वृषभ – जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। आर्थिक तथा व्यावसायिक योजना सफल होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मिथुन – पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कर्क – बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। विरोधी परास्त होंगे। धन लाभ की संभावना है।

सिंह – पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कन्या – जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला – जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। व्यर्थ के तनाव मिलेंगे।

वृश्चिक – पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के कारण चिंतित रहेंगे। वाद विवाद की स्थिति से बचें। आर्थिक योजना सफल होगी। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु – व्यावसायिक तथा आर्थिक योजना फलीभूत होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। अनावश्यक खर्च का सामना करना पड़ सकता है। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा।

मकर – पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। किया गया परिश्रम सार्थक होंगे।

कुम्भ – रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकतीहै। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मीन – जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। पराक्रम में वृद्धि होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें।

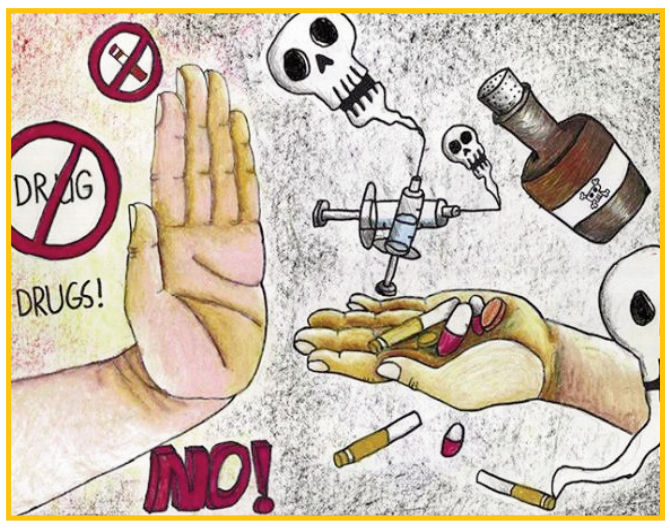

नशा मुक्ति के लिए उठे बड़े कदम

(लेखक - रमेश सर्राफ धमोरा)

(26 जून नशा मुक्ति दिवस पर विशेष)

आज पूरी दुनिया नशे के चंगुल में फंसी हुई है। दुनिया का कोई भी ऐसा देश नहीं है जहां के लोगों को नशे कि लत नहीं लगी हो। भारत में तो स्थिति और भी बदतर हो रही है। यहां की बहुत बड़ी आबादी नशे की गिरफ्त में आ चुकी है। विशेषकर युवा वर्ग में बढ़ती नशाखोरी की प्रवृत्ति समाज व राष्ट्र के लिए एक बड़ी चिंता का विषय है। नशे की लत के कारण बहुत से नौजवानों का भविष्य बर्बाद हो चुका है।

हमारे देश में नशा करने वाले युवा पीढ़ी के लोग अब चरस, हेरोइन, कोकीन,अफीम जैसा खतरनाक नशा करने लगे। देश भर में नशे का सामान बेचने वाले बड़े-बड़े नशा माफिया पनप गए हैं। जो स्कूलों, कॉलेजों में कम उम्र के नौजवानों को नशे का सामान बेचते हैं। घर से बाहर रहकर पढ़ने वाले बहुत से छात्र इन नशा माफियाओं के चंगुल में फंसकर नशे की लत के शिकार हो जाते हैं। जब तक उनके घर वालों को असलियत का पता चलता है तब तक बहुत देर हो चुकी होती है।

नशीले पदार्थों के निवारण के लिए प्रत्येक वर्ष 26 जून को अंतर्राष्ट्रीय नशा मुक्ति दिवस मनाया जाता हैं। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने अपने एक प्रस्ताव में 7 दिसम्बर 1987 से इसे मनाने का निर्णय लिया था। इसका उद्देश्य लोगों को नशे की बुरी आदत से छुटकारा दिलाना तथा उन्हें नशे से होने वाले दुष्प्रभाव से बचाना हैं। यह अच्छी बात है कि इस दिन लोगों को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया जाता है। लोगों को सचेत किया जाता है, सावधान किया जाता है। मगर जब तक समाज व सरकार नशे को जड़ से समाप्त करने की दिशा में प्रभावी कार्यवाही नहीं करेगी तब तक नशे का व्यापार फैलता ही रहेगा। भारत में भी सरकार ने विभिन्न प्रकार के नशे के सामान की बिक्री पर रोक लगा रखी है। कई कानून भी बनाए हैं। मगर उन पर प्रभावी अमल नहीं हो पाता है। जिसके चलते खुलेआम नशे का कारोबार होता है।

लोगों को सचेत किया जाता है, सावधान किया जाता है। मगर जब तक समाज व सरकार नशे को जड़ से समाप्त करने की दिशा में प्रभावी कार्यवाही नहीं करेगी तब तक नशे का व्यापार फैलता ही रहेगा। भारत में भी सरकार ने विभिन्न प्रकार के नशे के सामान की बिक्री पर रोक लगा रखी है। कई कानून भी बनाए हैं। मगर उन पर प्रभावी अमल नहीं हो पाता है। जिसके चलते खुलेआम नशे का कारोबार होता है।

आज देश में कहीं से कोई भी व्यक्ति नशे का कोई भी सामान खरीद सकता है। उसे ना कोई रोकने वाला है ना कोई टोकने वाला है। नशे का सामान बेचने वाले सौदागर दिनों दिन धनवान होते जा रहे हैं। जिस कारण से उनका पुलिस व प्रशासन पर पूरा प्रभाव रहता है। जिसकी बदौलत वह शासन, प्रशासन से मिलकर सरेआम धड़ल्ले से अपना धंधा करते रहते हैं। नशे की प्रवृत्ति के खिलाफ हमारा समाज भी जागरुक नहीं है। नशे की लत के चलते पंजाब जैसा संपन्न प्रांत नशेड़ियों का प्रदेश कहलाने लगा था। वैसी ही स्थिति आज देश के अधिकांश प्रदेशों की हो रही है। नशे को लेकर पंजाब जब सुर्खियों में आया तो पूरे देश का ध्यान उस तरफ गया और वहां नशे के कारोबार पर कुछ हद तक अंकुश लग पाया। वैसा ही हमें पूरे देश में करना होगा तभी नशे की तरफ जा रही हमारी युवा पीढ़ी को भटकने से रोका जा सकेगा।

कहते हैं कि नशा हर अपराध की जड़ होता है। नशेड़ी व्यक्ति कोई भी बुरे से बुरा काम करने से नहीं झिझकता सकता है। अधिकांश अपराध नशे की धुन में ही किए जाते हैं। बढ़ते नशे के प्रचलन को रोकने के लिए हमें सरकार के भरोसे ही नहीं रहना होगा। इसके लिए हमें स्वयं भी प्रयास करने होंगे। हमें देखना होगा कि हमारे परिवार का कोई सदस्य तो नशे की तरफ नहीं जा रहा है। यदि ऐसा है तो हमें समय रहते उस को नियंत्रित करना होगा। यदि सभी लोग ऐसा करने लगेंगे तो धीरे-धीरे नशे की प्रवृत्ति कम होती चली जाएगी और एक समय ऐसा आएगा जब हमारा समाज, हमारा क्षेत्र, हमारा प्रदेश, हमारा देश नशा मुक्त बन सकेगा।

ड्रग्स और अपराध पर संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (यूएनओडीसी) की विश्व ड्रग रिपोर्ट 2022 का अनुमान है कि दुनिया भर में 15-64 आयु वर्ग के लगभग 28.4 करोड़ लोगों ने मादक पदार्थों (ड्रग्स) का सेवन किया था। यह पिछले दशक की तुलना में 26 प्रतिशत अधिक है। हालांकि वैश्विक स्तर पर मादक पदार्थों का सेवन करने वाली महिलाओं की संख्या कम है। इसके बावजूद महिलाओं में मादक पदार्थों के सेवन में वृद्धि दर पुरुषों की तुलना में अधिक है। अवैध मादक पदार्थों पर निर्भर अर्थव्यवस्थाएं मुख्यत: कमजोर कानून व्यवस्था वाले देशों में फल-फूल सकती हैं। इससे देश में संघर्ष की स्थिति पैदा हो सकती है। मध्य-पूर्व और दक्षिण-पूर्व एशिया में संघर्ष की स्थिति सिंथेटिक मादक पदार्थों के निर्माण के लिए प्रेरक के रूप में कार्य करती है।

कोका की गैर-कानूनी खेती के लिए वनों की कटाई की जाती है। इसके अलावा सिंथेटिक मादक पदार्थों के निर्माण के दौरान अत्यधिक मात्रा में अपशिष्ट पैदा होता है। ऐसे अपशिष्ट के कारण प्रत्यक्ष रूप से मृदा, जल और वायु पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। साथ ही इससे अप्रत्यक्ष रूप से सजीव प्राणी और खाद्य श्रृंखलाएं भी प्रभावित होती हैं। इस रिपोर्ट के अनुसार भारत उपभोगकर्ताओं के मामले में दुनिया के सबसे बड़े अफीम बाजारों में से एक है। साथ ही यहां इसकी आपूर्ति बढ़ने की भी संभावना है। इससे गैर-कानूनी व्यापार और इससे जुड़े संगठित अपराधों के स्तर में बढ़ोतरी हो सकती है। रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि भारत में युवा इस खतरे से सबसे अधिक प्रभावित हैं। भारत में जब्त की गई सभी अवैध दवाओं में से 60 प्रतिशत से अधिक पंजाब से हैं। एक अध्ययन के अनुसार अधिकांश नशेड़ी 15 से 35 वर्ष की आयु के बीच हैं और कई बेरोजगार हैं। नशीली दवाओं का दुरुपयोग समाज को प्रभावित करने वाला एक गंभीर खतरा है। नशीली दवाओं की लत से अनजाने में चोट लगने, दुर्घटनाएं, घरेलू हिंसा की घटनाएं, चिकित्सा समस्याएं और मृत्यु का उच्च जोखिम होता है। नशीली दवाओं का सेवन करने वालों की आर्थिक क्षमता बुरी तरह प्रभावित होती है। नशीली दवाओं पर निर्भरता से आत्म-सम्मान में भी कमी आती है। निराशा, आपराधिक गतिविधियों और यहां तक कि आत्मघाती प्रवृत्ति को भी जन्म दे सकती है।

भारत में नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खिलाफ नशा मुक्त भारत अभियान या ड्रग्स-मुक्त भारत अभियान 15 अगस्त 2020 से देश के उन 272 जिलों में शुरू किया गया था जो नशीली दवाओं के दुरुपयोग से सबसे अधिक असुरक्षित और प्रभावित पाए गए थे। इसका उद्देश्य शिक्षण संस्थानों के साथ सकारात्मक भागीदारी, जन शिक्षा और स्वच्छता के लिए सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रमों और उपचार, पुनर्वास और परामर्श सुविधाओं के एकीकरण के द्वारा भारत को एक नशा मुक्त देश बनाना है।

भारत ने नशीली दवाओं की समस्याओं को दूर करने के लिए निर्णायक कदम उठाए हैं। हालांकि सरकार के पास व्यापक खाका, प्रतिबद्ध कार्यबल और कई समर्पित कार्यक्रम और नीतियां हैं। लेकिन मौजूदा कार्यक्रमों में और अधिक सुधार करने की जरूरत है।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार है। इनके लेख देश के कई समाचार पत्रों में प्रकाशित होते रहते हैं)

26 जून अंतर्राष्ट्रीय नशा व मादक पदार्थ निषेध दिवस

(लेखक - विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन)

नशा कोई भी हो, वह हमारी सेहत के लिए खतरनाक है। आज देश ही नहीं दुनियाभर के युवा बड़ी तेजी से नशे (ड्रग) की गिरफ्त में फंसते जा रहे हैं। इससे न सिर्फ उनका करियर और जीवन बर्बाद होता है बल्कि परिवार, समाज और देश का भी नुकसान होता है। ऐसे में युवाओं को इस लत से रोकने के लिए जरूरी है कि उनके माता-पिता और अभिभावकों को इस बात की जानकारी दी जाए कि कौन से ऐसे कारक हैं जिसकी वजह से उनके बच्चे नशे की राह पर जा सकते हैं।

आसपास का माहौल

अगर युवाओं के आसपास का माहौल ऐसा है जहां ड्रग्स आसानी से उपलब्ध है। इलाके में गरीबी है या फिर दोस्त ड्रग्स (स्नह्मद्बद्गह्य) लेते हैं। इसके अलावा अगर दोस्त किसी कानूनी पचड़े में फंस गए हैं तो संबंधित युवक के ड्रग्स लेने की आशंका ज्यादा रहती है। हालांकि अगर युवक के आसपास के दोस्त अच्छे हों और वह किसी ऐसे व्यक्ति को अपना रोल मॉडल (ह्म्श्द्यद्ग द्वश्स्रद्गद्य) बनाता है जो आज बड़े मुकाम पर पहुंच चुका हो तो उसके नशे से दूर रहने की संभावना बढ़ जाती है।

कम उम्र की संगत

अगर युवक कम उम्र में ही स्मोकिंग और ड्रिंकिंग शुरू कर देता है। बहुत जल्दी सेक्स और ड्रग्स लेने लगता है। नशे के प्रभाव को लेकर अगर वह सकारात्मक सोच रखता है तो उसके आगे चलकर नशे का आदी होने की पूरी आशंका रहती है। बच्चों को इससे बचाने के लिए जरूरी है कि अभिभावक उस पर नजर रखें और उसके दोस्तों पर भी।

फैमिली फैक्टर्स

अगर पैरंट्स ड्रग्स लेते हैं या नियम-कानून तोड़ते रहते हैं। अभिभावक बच्चों पर नजर नहीं रखते तो यह उसे नशे के करीब ले जा सकता है। अभिभावकों ने अगर बच्चे को दूर या अलग कर दिया है, वे अनुशासित नहीं रहते, परिवार में विवाद या तलाक के कारण भी घर का माहौल खराब हो जाता है। माता-पिता बच्चे से कोई उम्मीद नहीं करते या फिर वे बेरोजगारी से प्रभावित हैं तो बच्चों के ड्रग्स की तरफ आकर्षित होने की आशंका बढ़ जाती है। परिवार की तरफ से मजबूत बैकअप, माता-पिता के साथ अच्छे रिश्ते होने के साथ ही अगर पैरंट्स बच्चे के क्रिया-कलाप पर नजर रखते हैं तो उसकी संगत खराब होने की आशंका काफी कम रह जाती है।

तनाव में हों या मायूस

अगर कोई तनाव में या मायूस होता है तो उसे यह गलतफहमी हो जाती है कि नशा उसके इस मर्ज की दवा है। धीरे-धीरे व्यक्ति काफी गुस्सैल, ऐंटी-सोशल या असामाजिक होने के साथ ही मानसिक बीमार (स्न्वद्गह्लह्वद्य ह्यद्बष्म्) भी होने लगता है। बच्चों को इस बात का अहसास कराना जरूरी है कि नशा इलाज नहीं बल्कि उनके सोचने और समझने की शक्ति को खत्म कर देता है। इससे बचाने के लिए युवाओं में विचार कर काम करने की प्रवृत्ति विकसित करनी चाहिए। उनके आत्मसम्मान को याद दिलाते रहना चाहिए। कुछ उदाहरण देकर समझाया भी जा सकता है कि इसके विनाशकारी परिणाम क्या हो सकते हैं।

भारत में नशे की स्थिति

संयुक्त राष्ट्र की ताजा रिपोर्ट के अनुसार दक्षिण एशिया में भारत भी हेरोइन का बड़ा उपभोक्ता देश बनता जा रहा है। गौरतलब है कि अफीम से ही हेरोइन बनती है। भारत के कुछ भागों में धड़ल्ले से अफीम की खेती की जाती है और पारंपरिक तौर पर इसके बीज 'पोस्तो' से सब्जी भी बनाई जाती है। किंतु जैसे-जैसे इसका उपयोग एक मादक पदार्थ के रूप में आरंभ हुआ, यह खतरनाक रूप लेता गया। वर्ष 2001 के एक राष्ट्रीय सर्वेक्षण में भारतीय पुरुषों में अफीम सेवन की उच्च दर 12 से 60 साल की उम्र तक के लोगों में 0। 7 प्रतिशत प्रति माह देखी गई। इसी प्रकार 2001 के राष्ट्रीय सर्वेक्षण के अनुसार ही 12 से 60 वर्ष की पुरुष आबादी में भांग का सेवन करने वालों की दर महीने के हिसाब से तीन प्रतिशत मादक पदार्थ और अपराध मामलों से संबंधित संयुक्त राष्ट्र कार्यालय की रिपोर्ट के ही अनुसार भारत में जिस अफीम को हेरोइन में तब्दील नहीं किया जाता, उसका दो तिहाई हिस्सा पांच देशों में इस्तेमाल होता है। ईरान 42 प्रतिशत, अफ़ग़ानिस्तान 7 प्रतिशत, पाकिस्तान 7 प्रतिशत, भारत छह प्रतिशत और रूस में इसका पांच प्रतिशत इस्तेमाल होता है। रिपोर्ट के अनुसार भारत ने 2008 में 17 मीट्रिक टन हेरोइन की खपत की और वर्तमान में उसकी अफीम की खपत अनुमानतः 65 से 70 मीट्रिक टन प्रति वर्ष है। कुल वैश्विक उपभोग का छह प्रतिशत भारत में होने का मतलब कि भारत में 1500 से 2000 हेक्टेयर में अफीम की अवैध खेती होती है। यह तथ्य वास्तव में ख़तरनाक है।

नशे का शिकार होता युवा वर्ग

मादक पदार्थों के नशे की लत आज के युवाओं में तेजी से फ़ैल रही है। कई बार फैशन की खातिर दोस्तों के उकसावे पर लिए गए ये मादक पदार्थ अक्सर जानलेवा होते हैं। कुछ बच्चे तो फेविकोल, तरल इरेज़र, पेट्रोल कि गंध और स्वाद से आकर्षित होते हैं और कई बार कम उम्र के बच्चे आयोडेक्स, वोलिनी जैसी दवाओं को सूंघकर इसका आनंद उठाते हैं। कुछ मामलों में इन्हें ब्रेड पर लगाकर खाने के भी उदहारण देखे गए हैं। मजाक-मजाक और जिज्ञासावश किये गए ये प्रयोग कब कोरेक्स, कोदेन, ऐल्प्राजोलम, अल्प्राक्स, कैनेबिस जैसे दवाओं को भी घेरे में ले लेते हैं, पता ही नहीं चलता। फिर स्कूल-कॉलेजों या पास-पड़ोस में गलत संगति के दोस्तों के साथ ही गुटखा, सिगरेट, शराब, गांजा, भांग, अफीम और धूम्रपान सहित चरस, स्मैक, कोकिन, ब्राउन शुगर जैसे घातक मादक दवाओं के सेवन की ओर अपने आप कदम बढ़ जाते हैं। पहले उन्हें मादक पदार्थ फ्री में उपलब्ध कराकर इसका लती बनाया जाता है और फिर लती बनने पर वे इसके लिए चोरी से लेकर अपराध तक करने को तैयार हो जाते है।। नशे के लिए उपयोग में लाई जानी वाली सुइयाँ एच। आई। वी। का कारण भी बनती हैं, जो अंततः एड्स का रूप धारण कर लेती है। कई बार तो बच्चे घर के ही सदस्यों से नशे की आदत सीखते हैं। उन्हें लगता है कि जो बड़े कर रहे हैं, वह ठीक है और फिर वे भी घर में ही चोरी आरंभ कर देते हैं। चिकित्सकीय आधार पर देखें तो अफीम, हेरोइन, चरस, कोकीन, तथा स्मैक जैसे मादक पदार्थों से व्यक्ति वास्तव में अपना मानसिक संतुलन खो बैठता है एवं पागल तथा सुप्तावस्था में हो जाता है। ये ऐसे उत्तेजना लाने वाले पदार्थ हैं, जिनकी लत के प्रभाव में व्यक्ति अपराध तक कर बैठता है। मामला सिर्फ स्वास्थ्य से नहीं अपितु अपराध से भी जुड़ा हुआ है। कहा भी गया है कि जीवन अनमोल है। नशे के सेवन से यह अनमोल जीवन समय से पहले ही मौत का शिकार हो जाता है।

आज नशा शान माना जाता हैं
जो नहीं करता उसे दकियानूस कहा जाता हैं।
एक बार जो इसके चक्कर में फंसा
तो उसका जीवन बर्बादी की ओर चला
नहीं सम्हाला या सम्हला तो जीवन नीरस और नि:स्वाद
मौत ही होता हैं इसका अंतिम इलाज़
ये नशा नहीं विनाश हैं
ये शान नहीं मौत की आगाज़ हैं

भाड़े के सैनिकों की बगावत, पुतिन का तख्तापलट ?

रूस के राष्ट्रपति व्लादीमीर पुतिन के तख्तापलट की कोशिश हुई है। तख्तापलट हो पाता,इसके पहले ही रूस के शासक सतर्क हो गए। इस तख्ता पलट की कोशिश को दबाने में राष्ट्रपति पुतिन जरुर सफल हुए हैं। उन्होंने विद्रोहियों के साथ समझौता करके इस तख्ता पलट की कोशिश को नाकाम कर दिया है। इसमें आंशिक सफलता मिली है। आगे चलकर क्या होगा, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसका क्या असर होगा। इसको लेकर अभी इंतजार करना होगा। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध पिछले कई महीनों से चल रहा है। अमेरिका सहित सभी नाटो देश यूक्रेन की मदद कर रहे हैं। रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने भी परमाणु हमले की धमकी देकर,युद्ध को जारी रखा है। रूस ने प्राइवेट सैनिकों को भाड़े में रखा हुआ था। भाड़े के अधिकांश सैनिक रूस के सेवानिवृत सैन्य बल का था। भाड़े के इन्ही सैनिकों ने बगावत को अंजाम दिया है। प्राइवेट आर्मी के मालिक येवगेनी प्रोगोजिन ने बगावत कर दी। इन सभी सैनिकों को ठेके पर रखा गया था। इन्होंने यूक्रेन के कई इलाके जीतने में रूस की मदद की थी। पिछले कई दिनों से येवगेनी और रूस की सेना के बीच हथियारों की सप्लाई और अन्य सुविधाओं को लेकर काफी मनमुटाव चल रहे थे। बगावत करके वोरोनेज और रोस्तोव शहर पर विद्रोहियों ने कब्जा कर लिया था। विद्रोही भाड़े के सैनिकों ने मास्को की ओर कूच कर दिया था। प्राइवेट आर्मी के मास्को की ओर बढ़ने की खबर मिलने के तुरंत बाद हाई अलर्ट जारी किया गया। राजधानी को जोड़ने वाला हाईवे भी बंद किया गया। मास्को की सड़कों पर बख्तरबंद गाड़ियां और रूस की सेना तैनात कर दी गई। रूस की सेना के सहयोग से विद्रोह को दबाने में लगभग-लगभग पुतिन सफल हो गए हैं। वर्तमान स्थिति को देखते हुए रूस ने विद्रोहियों के साथ समझौता करके तख्तापलट की कोशिश को नाकाम करने की पहल की है। यह स्थिति कब तक रहेगी,कहना मुश्किल है। अमेरिका और नाटो देश इस स्थिति का फायदा उठाने का कोई भी मौका नहीं छोड़ेंगे। विद्रोही वैगनर ने कहा है, कि पुतिन के स्थान पर रूस को जल्द ही नया राष्ट्रपति मिलेगा। उसके इस बयान पर स्पष्ट हो रहा है, कि बगावत में उसे रूस के कद्दावर नेताओं का साथ भी मिल रहा है। पुतिन को हटाने के लिए अमेरिका और नाटो देश भी पूरा सहयोग प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से विद्रोहियों का करेंगे। जिसके कारण पुतिन की चुनौतियां बड़ी तेजी के साथ बढ़ रही हैं। उन्हें कई मोर्चों पर एक साथ लड़ना पड़ रहा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जिस तरह से अमेरिका और नाटो देश मिलकर, रूस के साथ आर-पार की लड़ाई लड़ रहे हैं। उसी तरह रूस भी अपने अस्तित्व के लिए आर पार की लड़ाई लड़ रहा है। इसके परिणाम क्या होंगे, इसके बारे में कोई भी, कुछ भी नहीं कह पा रहा है। सोवियत रूस के विघटन के बाद रूस अब अपने अस्तित्व की दूसरी लड़ाई लड़ रहा है। यूक्रेन के साथ लंबे समय से युद्ध चल रहा है। अमेरिका द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों और युद्ध में भारी खर्च करने के कारण रूस आर्थिक ओर सामरिक दृष्टि से काफी कमजोर हो गया है। वहीं लगातार सत्ता में बने रहने के कारण, पुतिन का विरोध भी रूस के अंदर बढ़ रहा है। जिसके कारण उनके लिए लगातार परेशानी और चुनौतियां बढ़ रही हैं। पुतिन अब खुद भी सुरक्षित नहीं रहे। कब उनके आसपास के ही आदमी उनकी हत्या कर दें। इसकी भी संभावनाएं व्यक्त की जाने लगी हैं।

बहरहाल रूस, चीन, अमेरिका के बीच तनाव बना हुआ है। इस तनाव को खत्म करने की पहल ना तो संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा की जा रही है। नाही दुनिया भर के किसी भी देश के राजनेता द्वारा इन तीनों शक्तियों के बीच में समन्वय बनाने के लिए कोई आगे आ रहा है। ऐसी स्थिति में दिनोंदिन परिस्थितियां विकराल हो रही हैं। जल,थल और आकाश में लगातार एक दूसरे को चुनौतियां देने के लिए,सामरिक और आर्थिक दृष्टि से तीनों शक्तियां एक दूसरे को निपटाने में लगी हुई हैं। यह स्थिति बड़ी खतरनाक है। प्रथम विश्व युद्ध और द्वितीय विश्व युद्ध सबक के रूप में हमारे सामने हैं। बड़े आश्चर्य की बात है कि विश्व में कोई भी ऐसा राजनेता नहीं है,जो इन तीनों के बीच समन्वय बनाने की कोशिश करे। नाही संयुक्त राष्ट्र संघ में वह दम है, कि वह पहल करके तीनों महाशक्तियों के बीच समन्वय बनाने में भूमिका अदा कर पाए।

रूस में तख्तापलट की जो कोशिश हुई है, निश्चित रूप से पुतिन वर्तमान स्थिति को देखते हुए और भी उग्र होंगे। जिसके कारण आने वाले समय में स्थिति काफ़ी विस्फोटक हो सकती है। इसका असर दुनिया भर के सभी देशों में पड़ना तय माना जा रहा है। भारत भी इससे अछूता नहीं रहेगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कंपनी अमेजन 2030 तक भारत में 26 अरब डॉलर का करेगी निवेश

- पिछले दशक में ई-कॉमर्स में 6.5 बिलियन डॉलर से अधिक का निवेश किया था

वाशिंगटन ।

ई-कॉमर्स दिग्गज अमेजन 2030 तक भारत में 26 अरब डॉलर का निवेश करने के पर विचार कर रही है। अमेजन ने अब तक भारत में लगभग 11 बिलियन डॉलर का निवेश किया है और 2030 तक लगभग 15 बिलियन डॉलर और निवेश करने की योजना है। जेसी ने हाल ही में अमेरिका में प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात के बाद ट्वीट किया, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बैठक अच्छी रही। इस दौरान 2030 तक भारत में 26 अरब डॉलर का निवेश करने की अमेजन की प्रतिबद्धता पर चर्चा हुई। अमेजन के सीईओ ने कहा कि एक साथ काम करते हुए, हम स्टार्टअप का समर्थन करेंगे, नौकरियां देंगे, निर्यात को सक्षम करेंगे और व्यक्तियों और छोटे व्यवसायों को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए सशक्त बनाएंगे। भारत अमेजन के लिए एक प्रमुख बाजार है, जहां उसने पिछले दशक में ई-कॉमर्स में 6.5 बिलियन डॉलर से अधिक का निवेश किया है। इस साल मई में ई-कॉमर्स दिग्गज अमेजन की क्लाउड आर्म अमेजन वेब सर्विसेज (एडब्ल्यूएस) ने देश में क्लाउड सर्विस के लिए बढ़ती ग्राहकों की मांग को पूरा करने के लिए 2030 तक भारत में क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर में 1,05,600 करोड़ रुपए (12.7 बिलियन डॉलर) का निवेश करने की योजना की घोषणा की। इस निवेश से 2030 तक भारत के कुल सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 1,94,700 करोड़ रुपए (23.3 बिलियन डॉलर) का योगदान होने का अनुमान है। ताजा निवेश 2016-2022 के बीच एडब्ल्यूएस के 30,900 करोड़ रुपए (3.7 बिलियन) के निवेश के बाद हुआ, जिससे 2030 तक भारत में एडब्ल्यूएस का कुल निवेश 1,36,500 करोड़ रुपए (16.4 बिलियन) हो जाएगा।

एडब्ल्यूएस के भारत में दो डेटा सेंटर इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र हैं। एडब्ल्यूएस एशिया प्रशांत (मुंबई) क्षेत्र, जिसे 2016 में लॉन्च किया गया था और एडब्ल्यूएस एशिया प्रशांत (हैदराबाद) क्षेत्र, जिसे नवंबर 2022 में लॉन्च किया गया था।

वेदांता ने राजनीतिक दलों को 155 करोड़ का चंदा दिया

नई दिल्ली । अरबपति कारोबारी अनिल अग्रवाल के खनन समूह वेदांता लिमिटेड ने मार्च 2023 को समाप्त वित्त वर्ष में चुनावी बांड के जरिए राजनीतिक दलों को 155 करोड़ रुपए का चंदा दिया। कंपनी की ताजा वार्षिक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। वार्षिक रिपोर्ट में कहा गया कि इससे पहले 2021-22 में कंपनी ने 123 करोड़ रुपए का चंदा दिया था। हालांकि, इसमें लाभ पाने वाले राजनीतिक दलों के नाम नहीं बताए गए। भाजपा सरकार ने 2017-18 में चुनावी फंडिंग के लिए चुनावी बांड की व्यवस्था शुरू की थी। कोई भी व्यक्ति भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) से चुनावी बांड खरीद सकता है और इसे किसी भी राजनीतिक दल को दान कर सकता है। फिर राजनीतिक दल उन्हें भुनाते हैं। पिछले पांच वर्षों में वेदांता ने चुनावी बांड के जरिए राजनीतिक दलों को कुल 457 करोड़ रुपए का चंदा दिया है।

मई में बुनियादी ढांचा क्षेत्र की 408 परियोजनाओं की लागत बढ़ी

नई दिल्ली । बुनियादी ढांचा क्षेत्र की 150 करोड़ रुपए या इससे अधिक के खर्च वाली 408 परियोजनाओं की लागत मई, 2023 तक तय अनुमान से 4.80 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा बढ़ गई है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि देरी और अन्य कारणों से इन परियोजनाओं की लागत बढ़ी है। सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय 150 करोड़ रुपए या इससे अधिक की लागत वाली बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की निगरानी करता है। मंत्रालय की मई, 2023 की रिपोर्ट में कहा गया है कि इस तरह की 1,681 परियोजनाओं में से 408 की लागत बढ़ गई है, जबकि 814 परियोजनाएं देरी से चल रही हैं। रिपोर्ट के अनुसार इन 1,681 परियोजनाओं के क्रियान्वयन की मूल लागत 24,16,872.28 करोड़ रुपए थी, लेकिन अब इसके बढ़कर 28,96,947.15 करोड़ रुपए होने का अनुमान है। इससे पता चलता है कि इन परियोजनाओं की लागत 19.86 प्रतिशत बढ़ गई है। रिपोर्ट के अनुसार मई 2023 तक इन परियोजनाओं पर 15,23,957.33 करोड़ रुपए खर्च हो चुके हैं, जो कुल अनुमानित लागत का 52.61 प्रतिशत है।

ऑनलाइन शॉपिंग का तेजी से बढ़ रहा क्रेज

- देश की 44 फीसदी आबादी सब्जी और फल भी ऑनलाइन मंगाना पसंद करते हैं

मुंबई । पिछले कुछ वर्षों में ऑनलाइन शॉपिंग का क्रेज तेजी से बढ़ा है। ग्रॉसरी से लेकर महंगे इलेक्ट्रिक सामान तक लोग ऑनलाइन मंगान पसंद करते हैं। हालात ये हैं कि अब देश की 44 फीसदी आबादी सब्जी और फल भी ऑनलाइन शॉपिंग प्लेटफार्म पर विश्वास रखती हैं, जबकि 56 प्रतिशत लोगों का मानना है ऐसे रोजमर्रा के सामानों के लिए परंपरागत ऑफलाइन माध्यम ही बेहतर है। दिल्ली-एनसीआर और मुंबई में फल एवं सब्जियों के साथ ही किराने का सामान बेचने वाले कृषि प्रौद्योगिकी स्टार्टअप ओटीपाई ने मई में 3,000 से ज्यादा लोगों का ऑनलाइन सर्वेक्षण कराया था। इस सर्वे का उद्देश्य उपभोक्ताओं के खरीदारी को लेकर बदलते व्यवहार को जानना था। इस सर्वेक्षण के निष्कर्षों से पता चला कि कीमतों के मामले में 50 प्रतिशत लोगों को लगता है कि ऑफलाइन सब्जी और फ्रूट खरीदना सस्ता पड़ता है, जबकि शेष 50 प्रतिशत का मानना है कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर दरें कम हैं। सर्वेक्षण के मुताबिक लगभग 36 प्रतिशत उत्तरदाता ताजे फलों और सब्जियों की तत्काल डिलीवरी चाहते थे, जबकि शेष ने 12 घंटों के अंदर डिलीवरी का विकल्प चुना। इस सर्वेक्षण में हेल्दी प्रोडक्ट्स की डिमांड के बारे में भी बताया गया कि 43 प्रतिशत प्रतिभागी जैविक या हाइड्रोपोनिक फलों और सब्जियों का विकल्प चुनते हैं। लगभग 77 प्रतिशत लोग जैविक और हाइड्रोपोनिक फलों और सब्जियों के लिए 15 प्रतिशत तक ज्यादा रकम का भुगतान करने के लिए तैयार हैं।

(शेयर बाजार समीक्षा) मानसून की चाल पर रहेगी शेयर बाजार की नजर

- कच्चे तेल की कीमतों, डॉलर सूचकांक पर भी निवेशक नजर रखेंगे

मुंबई ।

मासिक डेरिवेटिव अनुबंधों के निपटान के बीच छुट्टियों वाले इस सप्ताह में शेयर बाजारों की दिशा काफी हद तक वैश्विक शेयर बाजारों के रुख, विदेशी कोषों की कारोबारी गतिविधियों और मानसून की प्रगति पर निर्भर करेगी। शेयर बाजार बुधवार को बकरीद के अवसर पर बंद रहेंगे। बाजार के विशेषज्ञों ने कहा कि बाजार में स्पष्ट संकेतों की कमी रह सकती है, लेकिन जून के मासिक डेरिवेटिव अनुबंधों के निपटान से कुछ अस्थिरता आने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि घरेलू मोर्चे पर मानसून की चाल महत्वपूर्ण होगी और अच्छी बात है कि ये रफ्तार पकड़ रही है। उन्होंने आगे कहा कि वैश्विक बाजारों में निवेशक कच्चे तेल की कीमतों, डॉलर सूचकांक और अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल पर बारीकी से नजर रखेंगे। अमेरिकी बाजारों में हालिया गिरावट ने निश्चित रूप से बाजार को सतर्क कर दिया है, लेकिन डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज में 33,500 से ऊपर स्थिरता बनी हुई है। इससे सुधार की उम्मीद बनी हुई है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा मुनाफावसूली के बाद व्यापक सूचकांकों के प्रदर्शन पर सबकी नजर रहेगी। वैश्विक शेयर बाजारों में मंदी के रुख और केंद्रीय बैंकों द्वारा दरों में बढ़ोतरी की चिंताओं ने पिछले सप्ताह निवेशकों को हतोत्साहित कर दिया। वैश्विक संदर्भ में दुनिया भर के केंद्रीय बैंक इस समय मुद्रास्फीति पर लगाम लगाने पर जोर दे रहे हैं। उन्होंने तय लक्ष्य को हासिल करने की प्रतिबद्धता दोहराई है। उन्होंने कहा कि वैश्विक चिंताओं के बावजूद अनुकूल घरेलू आर्थिक संकेतकों और अंतरराष्ट्रीय जिंस कीमतों में सुधार के कारण घरेलू बाजार में कोई बड़ी गिरावट नहीं आ सकती है।

तकनीकी शिक्षा में सुधार के लिए 20 अरब देगा विश्व बैंक

- साढ़े तीन लाख विद्यार्थियों को होगा फायदा

नई दिल्ली ।

विश्व बैंक ने भारत की तकनीकी शिक्षा में सुधार करने के लिए 20.94 अरब रुपए का कर्ज देने की मंजूरी प्रदान कर दी है। योजना के तहत अगले पांच सालों में सभी राज्यों से चुने गए करीब 275 सरकारी तकनीकी संस्थानों के 3.50 लाख छात्र-छात्राओं को लाभ मिलेगा। विश्व बैंक के अनुसार परियोजना के जरिये इन संस्थानों में शोध को बढ़ावा दिया जाएगा। इसके साथ-साथ छात्रों के कौशल विकास और उन्हें रोजगार परक बनाने में मदद मिलेगी। इसके अलावा उद्यमिता और नवाचार को भी बढ़ावा मिलेगा। परियोजना के हिस्से के रूप में विद्यार्थियों की उन्नत पाठ्यक्रम, नई तकनीक और संचार में पहुंच बढ़ेगी। अमेरिका स्थित विश्व बैंक के कंट्री निदेशक ऑगस्टे तानो कौमे ने कहा कि परियोजना की सहायता से अगले पांच वर्षों के दौरान साढ़े तीन लाख से अधिक छात्रों को लाभ मिलेगा। भारत में तकनीकी शिक्षा का धीरे-धीरे विस्तार हो रहा है। 2011-12 में भारत के 40,000 कॉलेजों में 29 मिलियन छात्र पंजीकृत थे। जबकि, 2019-20 में 40,000 विश्वविद्यालयों में 39 मिलियन छात्र पंजीकृत हैं। भारतीय शिक्षा प्रणाली में हाल ही में तकनीकी और गैर-तकनीकी क्षमताओं में बढ़त पाई गई है। भारत शिक्षा के क्षेत्र में लगातार बढ़ रहा है। तकनीकी संस्थानों में अनुसंधान, उद्यमिता और नवाचार के साथ-साथ बेहतर प्रशासन पर अधिक जोर दिया गया है। परियोजना के तहत छात्रों को संचार और जलवायु लचीलेपन में उभरती प्रौद्योगिकियों सहित उन्नत पाठ्यक्रम तक पहुंच मिलेगी। छात्रों को इंटर्नशिप और प्लेसमेंट में भी लाभ मिलेगा। परियोजना भारत की नई शिक्षा नीति, 2020 का समर्थन करेगी।

परियोजना नौकरियों और व्यावसायिक अवसरों के लिए छात्र को तैयार करती है। छात्रों को अपने पाठ्यक्रम समाप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। इसके अलावा महिला छात्रों से भी आग्रह किया जाएगा कि वह सलाहकारों और पूर्व छात्रों के साथ जुड़े। वर्तमान में स्नातक इंजीनियरिंग छात्रों की संख्या कुल छात्रों के मुकाबले 30 प्रतिशत से भी कम है। साथ ही अनुसूचित जाति और जनजाति की महिलाएं की महिलाएं अब भी वंचित हैं।

भारत में 10 अरब डॉलर का निवेश करेगा गूगलः सुंदर पिचाई

नई दिल्ली ।

दिग्गज टेक कंपनी गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से कहा कि गूगल भारत के डिजिटलाइजेशन में 10 अरब डॉलर का निवेश करने जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह एक ऐसा कदम है, जो फिनटेक में भारत की लीडरशिप को एक पहचान देने का काम करेगा और भारत, अमेरिका के साथ ही पूरी दुनिया में छोटे और बड़े व्यवसायों की मदद करेगा। पिचाई ने गांधीनगर के गिफ्ट-सिटी में गूगल का ग्लोबल फिनटेक ऑपरेशन सेंटर खोलने की भी घोषणा की। प्रधानमंत्री ने पिचाई के अलावा, माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्या नडेला, एप्पल के सीईओ टिम कुक, ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन और एएमडी के सीईओ लिसा सु सहित कई अन्य सीईओ से भी मुलाकात की। पिचाई ने कहा कि हम गुजरात की गिफ्ट सिटी में अपना ग्लोबल फिनटेक ऑपरेशन सेंटर खोलने की घोषणा कर रहे हैं। इससे भारत के फिनटेक नेतृत्व को मजबूती मिलेगी, जिसमें यूपीआई और आधार की अहम भूमिका है। पिचाई ने कहा कि मैं प्रधानमंत्री से दिसंबर में मिला था और हमने अपनी बातचीत जारी रखी। हमने साझा किया कि गूगल भारत के डिजिटलीकरण फंड में 10 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश कर रहा है और हम इसके माध्यम से निवेश करना जारी रख रहे हैं, जिसमें एआई पर काम करने वाली कंपनियों में भी निवेश शामिल है। गूगल 2004 से भारत में काम कर रहा है, जिसके देश के 5 प्रमुख शहरों- बेंगलुरु, हैदराबाद, दिल्ली एनसीआर, मुंबई और पुणे में ऑफिस हैं। गिफ्ट-सिटी के एमडी और समूह सीईओ तपन रे ने कहा कि गिफ्ट-सिटी में अपना वैश्विक फिनटेक संचालन केंद्र स्थापित करने का गूगल का फैसला फिनटेक परिदृश्य में भारत की बढ़ती प्रमुखता का प्रमाण है। प्रधानमंत्री मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान हुई यह घोषणा सभी के हित में है। इससे गिफ्ट-सिटी को वास्तव में ग्लोबल फिनटेक सेंटर बनाने के हमारे प्रधानमंत्री के लक्ष्य में मदद मिलेगी। हम गिफ्ट-सिटी में गूगल की मेजबानी के लिए उत्सुक हैं।

एफपीआई ने जून में अब तक 30,600 करोड़ निवेश किया

नई दिल्ली । विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) का भारतीय शेयर बाजारों पर भरोसा जारी है और जून में उन्होंने अब तक 30,600 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश किया है। उन्होंने देश की व्यापक आर्थिक स्थिरता और मजबूत कॉरपोरेट आय पर भरोसा जताया है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों से पता चलता है कि एफपीआई ने मई में इक्विटी में 43,838 करोड़ रुपए निवेश किए, जो नौ महीने में सबसे अधिक है। यह आंकड़ा अप्रैल में 11,631 करोड़ रुपए और मार्च में 7,936 करोड़ रुपए था। इससे पहले जनवरी-फरवरी के दौरान एफपीआई ने 34,000 करोड़ रुपए से अधिक की निकासी की थी। बाजार`` के जानकारों ने कहा` कि आने वाले वक्त में कोषों का प्रवाह अस्थिर हो सकता है। खासतौर से अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी के बाद। आंकड़ों के मुताबिक 1 से 23 जून के दौरान एफपीआई ने भारतीय शेयरों में 30,664 करोड़ रुपए का निवेश किया।

ओला ने पूरा पैसा लेने के बाद भी नहीं दिया स्कूटर, देना होगा 2.05 लाख का मुआवजा

- ग्राहक ने चेन्नई जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग में दायर किया था मामला

चेन्नई ।

ओला मोबिलिटी ने ग्राहक से पूरा पैसा लेने के बाद भी उसे इलेक्ट्रिक स्कूटर नहीं दिया गया। अब ओला को मुआवजे के रूप में ग्राहक को 2.05 लाख रुपए देने पड़ेंगे। यह मामला चेन्नई का है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक चेन्नई के पुरसावलकम की निशा ने दो साल पहले ओला के आधिकारिक ऐप के जरिए एक कोरम-ग्लैम रंग का स्कूटर बुक किया था। इस ई-स्कूटर की कीमत 1,10,296 रुपए थी। ऐप में इस स्कूटर की उपलबधता की पुष्टि की गई थी। इसके बाद निशा ने जुलाई 2021 में बुकिंग के लिए 20,499 रुपए का भुगतान किया था। निशा को जानकारी दी गई की अंतिम भुगतान करने के बाद वाहन की डिलीवरी की तारीख बाद में घोषित की जाएगी। इस बीच निशा को तब झटका लगा जब ओला ने घोषणा की कि उसने एस1 स्कूटरों का उत्पादन बंद कर दिया है। निशा ने यही स्कूटर बुक कराया था। ओला ने कहा कि अब वह केवल एस1 प्रो मॉडल ही भेजेगी। इसके लिए निशा को 40,000 रुपए का अे तिरिक्त भुगतान करना पड़ गया। जब निशा ने ग्राहक सेवा से संपर्क किया, तो उसे वाहन पंजीकरण के लिए जरूरी डॉक्यूमेंट्स अपलोड करने के लिए कहा गया, लेकिन इसके बाद से आज तक कछि नहीं हुआ। इस बीच ओला ने अपने ऐप से बुकिंग कैंसिल करने का ऑप्शन भी हटा दिया था। इसके बाद निशा ने चेन्नई (उत्तर) जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग में मामला दायर किया। ओला ने अपने दावे के समर्थन में कोई दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया। इसलिए, आयोग ने ओला को सेवा में कमी और अनुचित व्यापार व्यवहार के लिए मुआवजे के रूप में 2,00,000 रुपए और शिकायतकर्ता द्वारा किए गए कानूनी खर्च के लिए 5,000 रुपए का भुगतान करने का आदेश दिया है। इसी के साथ आयोग ने ओला को यह भी निर्देश दिया गया है कि या तो वह दो महीने के भीतर एस1 प्रो मॉडल की डिलीवरी करे या 9 प्रतिशत ब्याज के साथ पूरी राशि वापस कर दे।

भारत में जल्द ही क्रेडिट कार्ड लांच करेगी एप्पल

- एप्पल पे लॉन्च करने के लिए एनपीसीआई से भी कर रही चर्चा

नई दिल्ली ।

आईफोन बनाने वाली दिग्गज कंपनी एप्पल भारत के पेमेंट सेक्टर में प्रवेश करने पर विचार कर रही है। जल्द ही कंपनी क्रेडिट कार्ड पेश कर सकती है। जानकारी मिली है कि इसे एप्पल कार्ड नाम दिया जा सकता है। सूत्रों के मुतो बिक एप्पल के सीईओ टिम कुक ने अप्रैल में हुए अपने भारतीय दौरे में एचडीएफसी बैंक के सीएमडी शशिधर जगदीशन से बात की थी। एप्पल पे लॉन्च करने के लिए नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) से भी चर्चा कर रही है। यह स्पष्ट नहीं है कि क्या ये चर्चाएं इसके क्रेडिट कार्ड को एनपीसीआई के रूपे प्लेटफॉर्म द्वारा संचालित करने के बारे में हैं या क्या यह यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) के लिए है। रुपे क्रेडिट कार्ड लॉन्च करने का फायदा यह है कि इसे यूपीआई से भी जोड़ा जा सकता है। कार्ड के स्ट्रक्चर को लेकर एप्पल ने रिजर्व बैंक से भी बात की है। आरबीआई ने कंपनी से कहा है कि इसके लिए उसे सभी प्रक्रिया को पूरा करना होगा। इस सिलसिले में ऐपल और एचडीएफसी ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। एप्पल कॉर्ड में एप्पल की सु विधा होती है और रिवॉर्ड मनी, एप्पल वॉलेट में जमा होती है। इस पर 4.15 फीसदी सालाना ब्याज मिलता है। इस कार्ड की कोई वार्षिक फीस नहीं है। अमेरिका में ऐपल का कार्ड इस्तेमाल करने वाले बिना ब्याज के किस्तों में इस कंपनी के प्रोडक्ट खरीद सकते हैं। ऐपल के प्रोडक्ट और सर्विसेज को खरीदने पर 3-5 फीसदी कैशबैक की सुविधा के साथ-साथ 2-3 फीसदी अतिरिक्त कैशबैक या रिवॉर्ड प्वाइंट ऑफर करने के लिए कंपनी अन्य प्रीमियम ब्रैंड्स के साथ समझौता कर सकती है।

महाराष्ट्र में पेट्रोल-डीजल महंगा, गुजरात में सस्ता

- ब्रेंट क्रूड 73.85 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में रविवार को कोई बदलाव नहीं है। डब्ल्यूटीआई क्रूड 69.16 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है. वहीं ब्रेंट क्रूड 73.85 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। देश में तेल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल की ताजा कीमत जारी कर दी है। भारत में हर सुबह 6 बजे ईंधन के दामों में संशोधन किया जाता है। जून 2017 से पहले कीमतों में संशोधन हर 15 दिन के बाद किया जाता था। महाराष्ट्र में पेट्रोल 1.18 रुपए महंगा होकर 107.17 रुपए प्रति लीटर पर बिक रहा है, वहीं डीजल 1.13 रुपए महंगा होकर 93.66 प्रति लीटर हो गया है। इसी तरह छत्तीसगढ़ में पेट्रोल 50 पैसे और 49 पैसे महंगा हुआ है। केरल, तेलंगाना और अरुणाचल व झारखंड में पेट्रोल-डीजल की कीमत बढ़ी है। दूसरी तरफ गुजरात में पेट्रोल 62 और डीजल 65 पैसे सस्ता होकर बिक रहा है। राजस्थान में भी पेट्रोल 37 पैसे और डीजल 34 पैसे सस्ता हुआ है। पश्चिम बंगाल, पंजाब व गोवा में भी पेट्रोल-डीजल की कीमत में हल्की गिरावट है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.77 रुपए और डीजल 89.94 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.58 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपए और डीजल 94.04 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

कर्नाटक के उद्योग मंत्री ने टेस्ला को राज्य में प्लांट लगाने के लिए आमंत्रित किया

बेंगलुरु ।

कर्नाटक के उद्योग मंत्री ने राज्य में प्लांट स्थापित करने के लिए प्रमुख इलेक्ट्रिक कार निर्माता टेस्ला को आमंत्रित किया है। उद्योग मंत्री एमबी पाटिल ने कहा कि अगर कंपनी कर्नाटक में अपना प्लांट लगाने का फैसला करती है, तब सरकार पूरा सहयोग करेगी। पाटिल ने कहा, अगर कंपनी की भारत में अपना प्लांट लगाने की योजना है, तब निश्चित रूप से कर्नाटक टेस्ला के लिए एक आदर्श स्थान होगा। मंत्री ने आश्वासन दिया कि सरकार टेस्ला और स्टारलिंक सहित उद्योगपति एलन मस्क के अन्य उद्यमों के लिए समर्थन तथा जरूरी सुविधाएं प्रदान करने के लिए तैयार है। पाटिल ने कहा कि सीएम सिद्दारमैया ने भी इस संबंध में रुचि दिखाई है। कर्नाटक सरकार का ध्यान राज्य को औद्योगिक विकास के पथ पर ले जाने पर है। मंत्री ने कहा, इसका उद्देश्य उद्योग 5.0 मानकों को अपनाकर कर्नाटक को प्रौद्योगिकी और विनिर्माण का केंद्र बनाना है। पाटिल का निमंत्रण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका की राजकीय यात्रा के दौरान मस्क से मुलाकात के बाद आया है।

Sports

वेस्टइंडीज दौरे में रोहित की जगह हार्दिक को मिलनी चाहिये थी कप्तानी : हरभजन

मुम्बई । दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा है कि वेस्टइंडीज दौरे के लिए रोहित शर्मा की जगह पर हार्दिक पांड्या को कप्तान बनाना चाहिये था। बीसीसीआई ने अगले माह होने वाले वेस्टइंडीज दौरे के लिए रोहित को कप्तान घोषित किया है जबकि हार्दिक पंड्या को उपकप्तान बनाया है। वहीं हरभजन के अनुसार हार्दिक को ही इस सीरीज के लिए कप्तानी दी जानी चाहिये थी। हरभजन ने कहा कि एकदिवसीय सीरीज में भारत को हार्दिक के नेतृत्व में नई टीम के साथ उतरना चाहिए। साथ ही कहा कि आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन करने वाले युवाओं को भी इस दौर में अवसर मिलना चाहिए था। ये उन्हें निखारने का सबसे अच्छा अवसर था। ये भी हो सकता है कि विश्व कप को ध्यान में रखते हुए ही वे इस अनुभवी टीम के साथ खेल रहे हों। दिल्ली कैपिटल्स के तेज गेंदबाज मुकेश कुमार को वेस्टइंडीज दौरे के लिए पहली बार टीम में शामिल किया गया है। उन्हें कैरेबियाई दौरे के लिए ए के साथ-साथ टेस्ट टीम में भी जगह दी गयी है। वहीं विकेटीपर बल्लेबाज के तौर पर ईशान किशन और संजू सैमसन को रखा गया है।

बड़े खिलाड़ियों को टेस्ट क्रिकेट से पूरी तरह छुट्टी दी जाए

वेस्टइंडीज दौरे से पहले बोले गावस्कर

(एजेंसी)।

जुलाई-अगस्त में वेस्टइंडीज का दौरा टीम इंडिया के तीसरे विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्र 2023-25 की शुरुआत करेगा। पूर्व महान बल्लेबाज और विश्व विजेता टीम के सदस्य रहे सुनील गावस्कर का सानना है कि बड़े खिलाड़ियों को टेस्ट क्रिकेट से पूरी तरह छुट्टी दे दी जाए। लंदन के द ओवल में 2023 डब्ल्यूटीसी फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार के बाद चेतेश्वर पुजारा, मोहम्मद शमी और उमेश यादव को दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला के लिए टीम से बाहर कर दिया गया था। इस बीच तीन युवाओं रुतुराज गायकवाड़, यशस्वी जयसवाल और मुकेश कुमार को खेल के सबसे लंबे प्रारूप में अपना कॉल-अप मिला। रोहित शर्मा टीम का नेतृत्व करना जारी रखेंगे और उनके साथ विराट कोहली, अजिंक्य रहाणे और रवींद्र जड़ेजा समेत अन्य दिग्गज खिलाड़ी शामिल होंगे। गावस्कर ने कहा, 'क्रिकेटरों की अगली पंक्ति को आजमाने और देखने का बहुत अच्छा मौका। क्योंकि अगर कोई दौरा था जहां आप किसी तरह के प्रयोग कर सकते थे, तो वह वेस्टइंडीज था। वे अब पहले जैसी ताकत नहीं हैं। इसलिए, युवा खिलाड़ियों का आजमाना सही तरीका होता। गावस्कर ने आगे कहा कि डब्ल्यूटीसी खत्म हो गया है और ध्यान केंद्रित करने वाला अगला महत्वपूर्ण आयोजन 2023 आईसीसी क्रिकेट विश्व कप है, जो अक्टूबर में भारत में आयोजित किया जाएगा।

उन्होंने कहा, 'डब्ल्यूटीसी चला गया है, हम वहां चूक गए लेकिन अगली बड़ी चीज वनडे विश्व कप है। मैं पसंद करूंगा कि बड़े खिलाड़ियों को टेस्ट क्रिकेट से पूरी तरह छुट्टी दे दी जाए। केवल 50-ओवर प्रारूप को देखें और शायद टी20 को भी क्योंकि यह संक्षिप्त संस्करण है। मैं केवल यही चाहता था कि वे सफेद गेंद वाले क्रिकेट पर ध्यान केंद्रित करें।' पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि उन्हें रेड-बॉल क्रिकेट से पूर्ण ब्रेक की जरूरत है। गावस्कर ने कहा, 'वे पिछले साल अक्टूबर-नवंबर से लगातार क्रिकेट खेल रहे हैं। और चोट के ब्रेक के अलावा उन्हें वास्तव में लंबा ब्रेक नहीं मिला है। इसलिए उन्हें रेड-बॉल क्रिकेट से पूरी तरह छुट्टी दें। यह निश्चित है कि 50 ओवर का विश्व कप कौन खेलेगा। आपने (मोहम्मद) शमी को ब्रेक दिया है तो शायद बाकियों को भी।'

ब्यूमोंट के दोहरे शतक से इंग्लैंड की महिला टीम ने ऑस्ट्रेलिया को दिया करारा जवाब

लंदन ।

सलामी बल्लेबाज टैमी ब्यूमोंट के शानदार दोहरे शतक से इंग्लैंड की महिला क्रिकेट टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले जा रहे एकमात्र एशेज टेस्ट में अपनी पहली पारी में 462 रन बनाये। ब्यूमोंट ने 331 गेंदों में ही 208 रन बना दिये। ये ब्यूमोंट का टेस्ट क्रिकेट में पहला दोहरा शतक है। इस मैच में ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम ने पहले बल्लबाजी करते हुए पहली पारी में 473 रन बनाए थे। इस प्रकार ऑस्ट्रेलियाई टीम को पहली पारी के आधार पर 11 रनों की बढ़त मिली हुई है। ऑस्ट्रेलियाई पारी का पीछा करते हुए इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज एम्मा लैंब के 10 रन ही बना पायीं। इसके बाद टैमी ने कप्तान हीथर नाइट के साथ पारी को संभाला। कप्तान नाइट ने 57 रन बनाये। वहीं नेट साइबर ब्रंट ने भी अर्धशतक लगाने के साथ ह 78 रन बनाये। डेनियल व्हाइट ने 44 रनों की पारी खेली। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया की ओर से एनाबेल सदरलैंड ने 137 रन जबकि एलिस पेरी ने 99 रन बनाये थे। वहीं तहिला मैकग्रा ने 83 गेंदों में 61 रन बनाए। इंग्लैंड की ओर सोफी एक्लेस्टोन ने 5 विकेट जबकि लौरेन बेल और लौरेन फाइलर ने 2-2 विकेट लिए एक विकेट केट क्रोस को मिला।

भारतीय टीम ने स्पेशल ओलंपिक विश्व खेलों में 150 पदक के आंकड़े को किया पार

बर्लिन । रोलर स्केटर्स के दो स्वर्ण और तीन रजत पदक से भारत ने यहां स्पेशल ओलंपिक विश्व खेलों में अपने पदकों की संख्या को 150 पदक के आंकड़े के पार पहुंचाया। भारत इन खेलों में अब तक कुल 157 पदक, (66 स्वर्ण, 50 रजत, 41 कांस्य) जीत चुका है। खेलों में अब सिर्फ एक दिन की प्रतियोगिताएं बची हैं। आर्यन (300 मीटर) और दीपन (1000 मीटर) ने रोलर कोस्टर में स्वर्ण पदक जीते। भारत की फाइव ए साइड मिश्रित बास्केटबॉल टीम ने भी पुर्तगाल को 6-3 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। इससे पहले शनिवार को भारत की महिला टीम को फाइनल में स्वीडन के खिलाफ हार के साथ रजत पदक से संतोष करना पड़ा था। रविवार को प्रतियोगिताओं के अंतिम दिन भारत एथलेटिक्स, लॉन टेनिस और साइकिलिंग में पदक जीतने के इरादे से उतरेगा।

1983 विश्व विजेता भारतीय टीम के साथ नजर आये आडानी

2023 विश्वकप के लिए जीतेंगे हम नाम से अभियान शुरु किया

अहमदाबाद ।

अडानी समूह के प्रमुख गौतम अडानी ने गत दिवस शनिवार को एक समारोह में 1983 विश्वकप विजेता भारतीय टीम के सदस्यों का सम्मान किया। ये सम्मान समारोह अडानी के 61वें जन्मदिन के अवसर पर रखा गया और इसी कारण सभी खिलाड़ी अहमदाबाद में अडानी समूह के मुख्याला में एकसाथ नजर आये थे। अडानी ने इस दौरान इस साल होने वाली एकदिवसीय विश्वकप को देखते हुए भारतीय टीम के समर्थन में जीतेंगे हम नाम से एक अभियान की भी शुरुआत की। पोर्ट्स-टू-एनर्जी समूह ने 1983 विश्व कप विजेता टीम के दिग्गजों को एकत्र किया। अडानी समूह के मुख्यालय में इस दौरान 1983 विश्व कप विजेता टीम के क्रिकेटरों में उप-कप्तान मोहिंदर अमरनाथ, सुनील गावस्कर, विकेटकीपर सैयद किरमानी, रोजर बिन्नी, मदन लाल, संदीप पाटिल, बलविंदर सिंह संधू, कृष्णमाचारी श्रीकांत, दिलीप वेंगसरकर और सुनील वाल्सन शामिल हुए। यह अभियान भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों को एकसाथ लाने के लिए ट्विटर और इंस्टाग्राम पर जीतेंगे हम के साथ लॉन्च किया गया। इस दौरान अडानी की ओर से जारी बयान में कहा गया, क्रिकेट हमारे देश में भावनाओं को जोड़ने वाली शक्ति है। कहानियां बनती नहीं बल्कि कड़ी मेहनत और दृढ़ता के बल पर सामने आती है। टीम इंडिया को जीत के लिए ये दोनों ही विशेषताएं चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

इंग्लैंड को अति आक्रामक रवैये से मिली हार : गीव्स

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज ब्रेट गीव्स के अनुसार एशेज क्रिकेट सीरीज में जिस प्रकार इंग्लैंड ने अति आक्रामकता का परिचय दिया है वह उस पर भारी पड़ेगा। गीव्स के अनुसार इंग्लैंड ने एजबेस्टन में अपनी पहली पारी आठ विकेट पर 393 रनों पर ही घोषित कर दी जबकि तब उनकी टीम कुछ और रन बना सकती थी। अगर ऐसा होतो तो मेजबान टीम इंग्लैंड को मनोवैज्ञानिक लाभ मिलता। तब भी कई विशेषज्ञों ने इंग्लैंड के इस तरह पारी घोषित करने के फैसले की आलोचना की थी। उनकी आशंका सही भी रही और ऑस्ट्रेलिया ने ये टेस्ट मैच जीत लिया था। इस मैच में परिणाम हासिल करने के लिए मेजबान टीम ने अति आक्रामक रूख अपनाया था। वहीं गीव्स का मानना है कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मेजबानों का अति आक्रामक वाला (बैजबॉल) रवैया सफल नहीं रहेगा। गीव्स ने कहा, बैजबॉल वाली रणनीति की वजह से इंग्लैंड को पहले ही मैच में हार मिली और मुझे लगता है कि अगर हम हार भी जाते हैं तो कम से कम हम सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट खेल रहे हैं और वैसे भी हम पहले टेस्ट में जीत ही गए। गीव्स ने कहा, एशेज में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कोई भी बैजबॉल क्रिकेट सफल नहीं होगा।

एशेज के दूसरे टेस्ट में उतरते ही लगातार 100 टेस्ट खेलने वाले छठे गेंदबाज बन जाएंगे लियोन

लंदन । ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर नाथन लियोन इंग्लैंड के खिलाफ बुधवार से लॉर्ड्स में होने वाले दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में एक अहम उपलब्धि हासिल कर सकते हैं। लियोन लॉर्ड्स टेस्ट में उतरते ही ऑस्ट्रेलिया की ओर से लगातार 100 टेस्ट खेलने वाले विशेष गेंदबाज बन जाएंगे। 35 साल के लियोन ने 99 टेस्ट खेले हैं। अब तक 5 क्रिकेटरों ने लगातार 100 या इससे ज्यादा टेस्ट खेले हैं। इसमें एलिस्टर कुक (159), एलन बॉर्डर (153), मार्क वॉ (107), सुनील गावस्कर (106) और ब्रेंडन मैकुलम (101) शामिल हैं। नये रिकॉर्ड को लेकर लियोन ने कहा कि यह कुछ ऐसा है जिस पर मुझे वास्तव में गर्व है। लगातार 100 टेस्ट मैचों में खेलने में सक्षम होना एक विशेष बात है। यह बहुत सारा टेस्ट क्रिकेट है, बहुत सारे उतार-चढ़ाव हैं। कोई आश्चर्य नहीं कि मेरे बाल नहीं है। किसी भी एथलीट को लंबे समय तक सफल होने के लिए आसपास अच्छे लोग चाहिए होते हैं। मुझे लगता है कि मेरा परिवार बिल्कुल अद्भुत रहा है, उनका समर्थन और प्यार और देखभाल ने ही मुझे यहां तक पहुंचाया है। इसके साथ ही उन्हें टेस्ट क्रिकेट में 500 विकेट का आंकड़ा हासिल करने के लिए अब पांच विकेट ही चाहिये। यह गेंदबाज इस उपलब्धि को लेकर उत्साहित है।

नीदरलैंड एकदिवसीय विश्वकप क्रिकेट क्वालीफायर के सुपर-6 में पहुंची

पहले चरण में नेपाल को सात विकेट से हराया

हरारे ।

नीदरलैंड ने विश्व कप क्वालीफायर के पहले चरण में नेपाल को सात विकेट से हराकर सुपर-6 चरण में प्रवेश किया है। नीदरलैंड की जीत में लोगन वैन बीक की घातक गेंदबाजी और मैक्स ओ'डाउड के आक्रामक अर्धशतक की अहम भूमिका रही। लोगन ने चार विकेट लिए जबकि मैक्स ने तेजी से 90 रनों की पारी खेली। नीदरलैंड ने इस मैच में टॉस जीतकर नेपाल को पहले पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। नेपाल की टीम 167 रनों पर ही सिमट गयी। इसके बाद बास डी लीड के नाबाद 41 और विक्रमजीत सिंह के नाबाद 30 रनों की सहायता से नीदरलैंड टीम ने 27.1 ओवर में ही ये लक्ष्य हासिल कर लिया। इस प्रकार ग्रुप-ए से वेस्टइंडीज और ज़िम्बाब्वे के बाद नीदरलैंड सुपर-6 में पहुंचने वाली तीसरी टीम बन गयी है। इस मैच में नेपाल की टीम डच गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पायी। विक्रमजीत ने शुरुआत में ही कुशल भुर्तेल को 27 रन पर आउट करने बाद आरिफ शेख को भी 6 रनों पर पेवेलियन भेज दिया। भीम शार्की 22 रन बना पाये। नेपाल के कप्तान रोहित पौडेल ने 55 गेंद पर तीन चौकों और एक छक्के के साथ सबसे ज्यादा 33 रन बनाये। वैन बीक ने रोहित और दीपेंद्र सिंह 14 और संदीप लामिछने 27 को आउट कर दिया। आर्यन दत्त ने कुशन मल्ला को आउट किया, जबकि बास डी लीड ने गुलशन झा और करन केसी को आउट करके नेपाल की पारी समेट दी। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य को डच टीम ने आसानी से हासिल कर लिया। । ओ'डाउड ने विक्रमजीत के साथ पहले विकेट के लिये 86 रन बनाकर टीम को अच्छी शुरुआत दिलायी। इसके बाद डी लीड ने 39 गेंद पर छह चौकों के साथ 41 रन की नाबाद पारी खेलकर नीदरलैंड को लक्ष्य तक पहुंचा दिया।

अय्यर शायद ही खेल पायें एशिया कप

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के मध्यक्रम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर का अब एशिया कप में भी खेलना संदिग्ध हो गया है। अय्यर सर्जरी के बाद से ही अभी तक उबर नहीं पाये हैं। इसी कारण वह विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में भी नहीं खेल पाये थे। अय्यर का बाहर होना पहले से ही अपने खिताड़ियों की चोटों से जझ रही भारतीय टीम के लिए एक बड़ा झटका है। अय्यर के लंबे समय से टीम से बाहर होने के कारण अब उनका करियर भी खतरे में पड़ता जा रहा है क्योंकि जिस प्रकार युवा खिलाड़ी भर रहे हैं। उन्हें शायद ही अवसर मिल पाये। प्राप्त जानकारी के अनुसार अय्यर ने हाल ही में नेशनल क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में पीठ के दर्द से परेशान होकर ही इंजेक्शन लिया था। सर्जरी के बाद भी उनकी कमर का दर्द पूरी तरह से ठीक नहीं हुआ है। सर्जरी के समय अय्यर के दिमाग में विश्व कप तक वापसी की योजना चल रही थी पर अब उसकी भी संभावना कम हो गयी है। गौरतलब है कि साल 2017 में डेब्यू करने के बाद से बीते कुछ साल में वह टीम के अहम सदस्य बन गए थे। साल 2021 में तो उन्होंने टेस्ट पदार्पण का अवसर मिला पर चोटिल होने के कारण वह अंतिम ग्यारह में जगह नहीं बना पाये।

मुख्य चयनकर्ता बनने संबंधी कोई प्रस्ताव नहीं मिला : सहवाग

नई दिल्ली ।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने कहा है कि उन्हें बीसीसीआई की ओर से चयन समिति का प्रमुख बनने जैसा कोई प्रस्ताव नहीं मिला है। पिछले चार माह से मुख्य चयनकर्ता का पद खाली है फिलहाल शिव सुंदर दास अंतरिम मुख्य चयनकर्ता के तौर पर काम कर रहे हैं। उनके अलावा एस शरथ (दक्षिण जोन), सुब्रतो बनर्जी(सेंट्रल जोन) और सलिल अंकोला (वेस्ट जोन) भी चयन समिति में शामिल हैं. बीसीसीआई ने हाल ही में चयनकर्ता पद के लिए आवेदन मांगे थे तभी कहा जा रहा थ कि मुख्य चयनकर्ता के लिए सहवाग को प्रस्ताव दिया जा सकता है। यह भी कहा जा रहा था कि बीसीसीआई ने सहवाग से संपर्क किया था पर इस पूर्व सलामी बल्लेबाज ने इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया था। बीसीसीआई ने एक दिन पहले ही चयन कमेटी के एक खाली पद के लिए भी विज्ञापन निकाला था। चयनित उम्मीदवार के नए मुख्य चयनकर्ता बनने की संभावना है। इस पद के लिए वही पूर्व खिलाड़ी आवेदन कर सकता है, जिसने 7 टेस्ट या 10 एकदिवसीय या कम से कम 30 फर्स्ट क्लास मैच खेलें हो। इसके अलावा उसे सक्रिय क्रिकेट से संन्यास लिए कम से कम 5 साल का समय हो गया हो। इसके लिए आवेदन करने की अंतिम तारीख 30 जून है।

हॉकी इंडिया ने सीनियर पुरुष टीम के कोर समूह की घोषणा की

एशियाई चैंपियन्स से पहले अपनी तैयारियों को बेहतर बनाने का अवसर मिलेगा

नई दिल्ली ।

हॉकी इंडिया ने अगस्त में होने वाली एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी को देखते हुए सीनियर पुरुष हॉकी टीम के कोर समूह की घोषणा की है। यह समूह यहां भारतीय खेल प्राधिकरण केंद्र (साइ) में 26 जून से 19 जुलाई तक होने वाले राष्ट्रीय शिविर में भाग लेगा। इस शिविर के बाद टीम स्पेन के टेरासा जाएगी जहां वह स्पेन हॉकी महासंघ की 100वीं वर्षगांठ के मौके पर अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में 25 से 30 जुलाई तक खेलेगी। भारत और मेजबान स्पेन के अलावा इंग्लैंड और नीदरलैंड की टीमें भी इस टूर्नामेंट में शामिल होंगी। चार देशों के इस टूर्नामेंट के बाद एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी चेन्नई में तीन अगस्त से खेली जाएगी जिसमें भारतीय टीम का मुकाबला कोरिया, मलेशिया, पाकिस्तान, जापान और चीन से होगा। भारतीय टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा, ''एफआईएच पुरुष हॉकी प्रो लीग 2022-23 के बेल्जियम और नीदरलैंड में हुए मुकाबलों में हमने अच्छा प्रदर्शन किया था और अब आने वाले समय में हमें यही निरंतरता बनाए रखनी होगी।

उन्होंने कहा, 'शिविर में हमारे पास कुछ क्षेत्रों में अपने को बेहतर बनाने और एक बार फिर एक इकाई के रूप में मिलकर काम करने का अवसर मिलेगा। एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के बाद टीम को चीन के हांगझोउ में एशियाई खेलों में भाग लेना होगा।

भारत का 39 सदस्यीय कोर संभावित समूह इस प्रकार है

गोलकीपर: कृष्ण बहादुर पाठक, पीआर श्रीजेश, सूरज करकेरा, पवन मलिक, प्रशांत कुमार चौहान।

डिफेंडर : जरमनप्रीत सिंह, सुरेंदर कुमार, हरमनप्रीत सिंह, वरुण कुमार, अमित रोहिदास, गुरिंदर सिंह, जुगराज सिंह, मनदीप मोर, नीलम संजीप सेस, संजय, यशदीप सिवाच, दिपसन टिर्की, मनजीत।

मिडफील्डर : मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, विवेक सागर प्रसाद, मोइरांगथेम रबिचंद्र सिंह, शमशेर सिंह, नीलाकांत शर्मा, राजकुमार पाल, सुमित, आकाशदीप सिंह, गुरजंत सिंह, मोहम्मद राहील मौसीन, मनिंदर सिंह।

फारवर्ड : एस कार्थी, मनदीप सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, अभिषेक, दिलप्रीत सिंह, सुखजीत सिंह, सिमरनजीत सिंह, शिलानंद लाकड़ा और पवन राजभर।

अगस्त में आयरलैंड के खिलाफ सीरीज से वापसी कर सकते हैं बुमराह

बेंगलुरु ।

टीम इंडिया के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के अगस्त में भारत और आयरलैंड के बीच होने वाली टी20 सीरीज से मैदान पर वापसी की संभावनाएं हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार बुमराह यहां राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में अगले महीने कुछ अभ्यास मैच खेलेंगे। इन मैचों के आधार पर पता चलेगा कि बुमराह अभी खेनने के लिए फिट हैं या नहीं। इसमें ये भी देखा जाएगा कि बुमराह मैच के अगले दिन किस प्रकार का अनुभव करते हैं। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार, एनसीए के मैचों के बाद ही बुमराह की आयरलैंड के खिलाफ सीरीज में उतारने का फैसला होगा। इस सीरीज के मुकाबले 18, 20 और 23 अगस्त को खेले जाएंगे। अक्टूबर-नवंबर में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप को देखते हुए प्रबंधन बुमराह की वापसी के लिए गंभीर है। इसके लिए भारतीय टीम पहले टी20 में उनकी क्षमता का परीक्षण करेगी।चयनकर्ताओं, राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में बुमराह का ध्यान रखने वाले चाहते हैं कि वह टी20 से ही शुरुआत करें। उल्लेखनीय है कि शुरुआत में पीठ की समस्या और बाद में पीठ की सर्जरी के कारण बुमराह पिछले साल सितंबर से मैदान से बाहर हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राधा का अर्थ है ...मोक्ष की प्राप्ति। रा का अर्थ है मोक्ष और ध का अर्थ है प्राप्ति। कृष्ण जब वृन्दावन से मथुरा गए, तब से उनके जीवन में एक पल भी विश्राम नही था। उन्होंने आतताइयों से प्रजा की रक्षा की, राजाओं को उनके लुटे हुए राज्य वापिस दिलवाए और सोलह हज़ार स्त्रियों को उनके स्त्रीत्व की गरिमा प्रदान की। उन्होंने अन्य कई जनहित कार्यों में अपने जीवन का उत्सर्ग किया।

स्पंदन राधा कृष्ण का

राधा का अर्थ है ...मोक्ष की प्राप्ति। रा का अर्थ है मोक्ष और ध का अर्थ है प्राप्ति। कृष्ण जब वृन्दावन से मथुरा गए, तब से उनके जीवन में एक पल भी विश्राम नही था। उन्होंने आतताइयों से प्रजा की रक्षा की, राजाओं को उनके लुटे हुए राज्य वापिस दिलवाए और सोलह हज़ार स्त्रियों को उनके स्त्रीत्व की गरिमा प्रदान की। उन्होंने अन्य कई जनहित कार्यों में अपने जीवन का उत्सर्ग किया। श्रीकृष्ण ने किसी चमत्कार से लड़ाइयाँ नहीं जीती। बल्कि अपनी बुद्धि योग और ज्ञान के आधार पर जीवन को सार्थक किया। मनुष्य का जन्म लेकर , मानवता की...उसके अधिकारों की सदैव रक्षा की। वे जीवन भर चलते रहे , कभी भी स्थिर नही रहे ।जहाँ उनकी पुकार हुई,वे सहायता जुटाते रहे।उधर जब से कृष्ण वृन्दावन से गए, गोपियाँ और राधा तो मानो अपना अस्तित्व ही खो चुकी थी।राधा ने कृष्ण के वियोग में अपनी सुधबुध ही खो दी।मानो उनके प्राण ही न हो केवल काया मात्र रह गई थी। राधा को वियोगिनी देख कर ,कितने ही महान कवियों- लेखकों ने राधा के पक्ष में कान्हा को निर्मोही जैसी उपाधि दी।दे भी क्यूँ न ?

राधा का प्रेम ही ऐसा अलौकिक था...उसकी साक्षी थी यमुना जी की लहरें, वृन्दावन की वे कुंजन गलियाँ , वो कदम्ब का पेड़, वो गोधुली बेला जब श्याम गायें चरा कर वापिस आते थे , वो मुरली की स्वर लहरी जो सदैव वहाँ की हवाओं में विद्यमान रहती थी।राधा जो वनों में भटकती ,कृष्ण कृष्ण पुकारती,अपने प्रेम को अमर बनाती,उसकी पुकार सुन कर भी ,कृष्ण ने एक बार भी पलट कर पीछे नही देखा।...तो क्यूँ न वो निर्मोही एवं कठोर हृदय कहलाए।राधा का प्रेम ही ऐसा अलौकिक था...उसकी साक्षी थी यमुना जी की लहरें , वृन्दावन की वे कुंजन गलियाँ , वो कदम्ब का पेड़, वो गोधुली बेला जब श्याम गायें चरा कर वापिस आते थे , वो मुरली की स्वर लहरी जो सदैव वहाँ की हवाओं में विद्यमान रहती थी ... किन्तु कृष्ण के हृदय का स्पंदन किसी ने नहीं सुना।स्वयं कृष्ण को कहाँ कभी समय मिला कि वो अपने हृदय की बात..मन की बात सुन सकें। या फिर क्या यह उनका अभिनय था? जब अपने ही कुटुंब से व्यथित हो कर वे प्रभास -क्षेत्र में लेट कर चिंतन कर रहे थे तब जरा के छोडे तीर की चुभन महसूस हुई।तभी उन्होंने देहोत्सर्ग करते हुए, राधा शब्द का उच्चारण किया। जिसे जरा ने सुना और उद्धव को जो उसी समय वह पहुँचे..उन्हें सुनाया।उद्धव की आँखों से आँसू लगतार बहने लगे।सभी लोगों को कृष्ण का संदेश देने के बाद ,जब उद्धव ,राधा के पास पहुँचे ,तो वे केवल इतना कह सके -

राधा, कान्हा तो सारे संसार के थे,
किन्तु राधा तो केवल कृष्ण के हृदय में थी

कष्टहरता जय हनुमान...

हनुमान बजरंगबली और महावीर के नामों से जाने जाने वाले पवनसुत सप्त चिरंजीवियों में से एक हैं। पद्म-पुराण के 56-6-7 वें श्लोक में उनका अन्य छः चिरंजीवियों के साथ नाम इस प्रकार आता है-

अश्वत्थामा बलिव्यासो हनुमानन्च विभीषण।
कृप परशुरामश्च सप्तैत चिरंजीविन ।

वस्तुतः रामभक्त, संकटमोचन, रामसेवक, रामदूत, केशरीनंदन, आंजनेय, अंजनीसुत, कपीश, कपिराज, पवनसुत और संकटमोचक के रूप में विख्यात हनुमान अपने भक्तों को व्याधियों व संकटों, वेदनाओं तथा परेशानियों से मुक्ति दिलाते हैं।

हनुमान भक्ति व पूजा का लाभ

हर व्यक्ति को जीवन में अनेक समस्याओं से गुजरना पड़ता है, ऐसे में हनुमानजी का स्मरण उसकी कष्टों से रक्षा करता है। जहाँ हनुमानजी का नाम मुश्किलों से बचाव करता है, वहीं वह मन से अनजाने भय को निकालकर शुभ व मंगल का पथ प्रशस्त करता है, विपत्तियों से मुक्ति दिलाता है।

वास्तव में, हनुमानजी रामभक्ति, सत्य मर्यादा, ब्रह्मचर्य, सदाचार व त्याग की चरम सीमा हैं। इसका सविस्तार वर्णन हमें सुंदरकांड में मिलता है। इसीलिए सुंदरकांड का पाठ करने से अनिष्ट, अमंगल तथा संकट की समाप्ति होती है, और नेष्ट का रास्ता खुलता है। सुंदरकांड का पाठ करने से हनुमानजी प्रसन्न होते हैं, तथा भक्त को सुपरिणाम प्रदान करते हैं।

कार्यसिद्धि के लिए भी सुंदरकांड का पाठ किया जाता है। परंतु इस हेतु पाठ अमावस्या की रात्रि से शुरू करके नियमित रूप से 45 दिन करना चाहिए। इसके अतिरिक्त नवरात्रि के समय भी सुंदरकांड का पाठ करना उचित माना जाता है। एक ऐसी भी मान्यता है कि नौ ग्रहों को रावण की कैद से केशरीनंदन ने ही मुक्त कराया था। उस समय शनि ने हनुमानजी को वचन दिया था कि- हे हनुमान! जो कोई भी आपकी पूजा-अर्चना करेगा, मैं उसे नहीं सताऊँगा। साधक को मंगलवार व शनिवार की पूजा करने से विशेष लाभ प्राप्त होता है। यथार्थ तो यह है कि कलियुग में महावीर हनुमान का नाम सही अर्थों में संकटमोचन है।

माँ गंगा का प्राकट्य

शिव का हिमालय और गंगा से घनिष्ठ संबंध है और गंगा से उनके संबंध की कथा से लोकप्रिय चित्रांकन बड़ा समृद्ध हुआ है। हिंदुओं के लिए समस्त जल, चाहे वह सागर हो या नदी, झील या वर्षाजल, जीवन का प्रतीक है और उसकी प्रकृति दैवी मानी जाती है। इस संदर्भ में प्रमुख हैं तीन पवित्र नदियाँ- गंगा, यमुना और काल्पनिक सरस्वती। इनमें से पहली नदी सर्वाधिक महत्वपूर्ण है।

चूँकि गंगा स्त्रीलिंग हैं, इसलिए उसे लंबे केशों वाली महिला के रूप में अंकित किया जाता है। देवी के रूप में गंगा उन सबके पाप धो देती है जो इतने भाग्यशाली हों कि उनकी भस्म उसके पवित्र जल में प्रवाहित की जाए। ब्रह्मवैवर्त पुराण में गंगा को संबोधित करने वाले एक पद में स्वयं शिव कहते हैं- पृथ्वी पर लाखों जन्म-जन्मान्तर के दौरान एक पापी जो पाप के पहाड़ जुटा लेता है, गंगा के एक पवित्र स्पर्श मात्र से लुप्त हो जाता है। जो भी व्यक्ति इस पवित्र जल से आर्द्र हवा में साँस भी ले लेगा, वह निष्कलंक हो जाएगा। विश्वास किया जाता है कि गंगा के दिव्य शरीर के स्पर्श मात्र से हर व्यक्ति पवित्र हो जाता है। भारतीय देवकथा में सर्वाधिक रंगीन कहानियाँ हैं उन परिस्थितियों के बारे में जिनमें गंगा स्वर्गलोक से उतरकर पृथ्वी पर आई थीं।

एक समय कुछ राक्षस थे जो ब्राह्मण ऋषि-मुनियों को तंग करते थे और उनके भजन-पूजा में बाधा डाला करते थे। जब उनका पीछा किया जाता था तो वे समुद्र में छिप जाते थे, मगर रात में फिर आकर सताया करते थे। एक बार ऋषियों ने ऋषि अगस्त्य से प्रार्थना की कि वे उनको राक्षसी प्रलोभन की यातना से मुक्त करें। उनकी सहायता के उद्देश्य से अगस्त्य ऋषि राक्षसों समेत समुद्र को पी गए। इस प्रकार उन राक्षसों का अंत हो गया किंतु पृथ्वी जल से शून्य हो गई। तब मनुष्यों ने एक और ऋषि भगीरथ से प्रार्थना की कि वे सूखे की विपदा से उन्हें छुटकारा दिलाएँ। इतना बड़ा वरदान पाने के योग्य बनने के लिए भगीरथ ने तपस्या करने में एक हजार वर्ष बिता दिए और फिर ब्रह्मा के पास गए और उनसे प्रार्थना की कि वे स्वर्गलोक की नदी गंगा को- जो आकाश की नक्षत्र धाराओं में से एक थी- पृथ्वी पर उतार दें। भगीरथ की तपस्या से प्रसन्न होकर ब्रह्मा ने यथाशक्ति प्रयत्न करने का वचन दिया और कहा कि वे इस मामले में शिव से सहायता माँगेंगे। उन्होंने समझाया कि अगर स्वर्गलोक की वह महान नदी अपने पूरे वेग और समस्त जल के भार के साथ पृथ्वी पर गिरी तो भूकंप आ जाएँगे और उसके फलस्वरूप बहुत विध्वंस होगा। अतः किसी को उसके गिरने का आघात सहकर उसका धक्का कम करना होगा और यह काम शिव के अतिरिक्त और कोई नहीं कर सकता। भगीरथ उपवास और प्रार्थनाएँ करते रहे। समय आने पर शिव पसीजे। उन्होंने गंगा को अपनी धारा पृथ्वी पर गिराने दी और उसके आघात को कम करने के लिए उन्होंने पृथ्वी और आकाश के बीच अपना सिर रख दिया। स्वर्गलोक का जल तब उनके केशों से होकर हिमालय में बड़े सुचारु रूप से बहने लगा और वहाँ से भारतीय मैदानों में पहुँचा जहाँ वह समृद्धि, स्वर्गलोक के आशीर्वाद और पापों से मुक्ति लेकर आया।

कौन थीं कृष्ण की 16108 रानियां?

श्रीकृष्ण का नाम आते ही हमारे मन असीम प्रेम उमड़ता है। सभी जानते हैं कि असंख्य गोपियां थी जो श्रीकृष्ण से अनन्य प्रेम करती थीं। परंतु उनकी शादी श्रीकृष्ण से नहीं हो सकी। श्रीकृष्ण की प्रमुख पटरानी रुकमणी पटरानी रुकमणी सहित उनकी 8 पटरानियां एवं 16100 रानियां थीं। कुछ विद्वानों का यह मत है कि कृष्ण की प्रमुख रानियां तो आठ ही थीं, शेष 16,100 रानियां प्रतीकात्मक थीं। इन्हें वेदों की ऋचाएं माना गया है। ऐसा माना जाता है चारों वेदों में कुल एक लाख श्लोक हैं। इनमें से 80 हजार श्लोक यज्ञ के हैं, चार हजार श्लोक पराशक्तियों के हैं। शेष 16 हजार श्लोक ही गृहस्थों या आम लोगों के उपयोग के अर्थात भक्ति के हैं। इन श्लोकों को ऋचाएं कहा गया है, ये ऋचाएं ही भगवान कृष्ण की पत्नियां थीं। श्रीकृष्ण की प्रत्येक रानी से 10-10 पुत्र एवं प्रत्येक रानी से 1-1 पुत्री का जन्म हुआ।

क्या है कृष्ण की रासलीला का सच ?

कुछ लोग अपने आपको कृष्ण भक्त या कृष्ण के अनुयाई बताकर चेहरे पर बड़े गर्व के भाव व्यक्त करते हुए घूमते हैं। यदि उनसे पूछा जाए कि क्या है कृष्ण का मतलब? क्या था कृष्ण का व्यक्तित्व, और क्या क हते हैं कृष्ण अपनी गीता में क्या रसिया कृष्ण की गीता में रासलीला का बड़ा ही सुन्दर वर्णन आया है इतना पूछने पर, अपने आप को कृष्ण का अनुयाई कहने वाले ये तथाकथित कृष्ण भक्त खिसियाकर बगलें झांकने लगते हैं।

वास्तविकता यह है कि रास शब्द रस से ही बना है। जबकि रस शब्द का अर्थ है आनंद। आगे चलकर हम देखते हैं कि संगीत के साथ किये जाने वाले नृत्य को ही काव्य अथवा साहित्य में रास संज्ञा से सूचित किया जाने लगा। पता नहीं रासलीला को लेकर समाज में यह गलत मान्यता कैसे प्रचलित हो गई। संस्कृत कवि जयदेव ने अपने काव्य में कृष्ण को नायक बनाकर कई श्रृंगारिक गीतों की रचना की जो कि पूरी तरह काल्पनिक एवं मनगढ़ंत हैं। जयदेव की परंपरा को ही बाद में विद्यापति....से लेकर सूरदास ने आगे बढ़ाया।

नौ वर्ष के कृष्ण- एक अति महत्वपूर्ण बात और भी है जिससे बहुत कम ही लोग परिचित हैं। वह यह है कि जब कृष्ण ने हमेशा-हमेशा के लिये गोकुल-वृंदावन छोड़ा तब उनकी उम्र मात्र नौ वर्ष की थी। इससे यह तो स्पष्ट ही है कि कृष्ण जब गोप-गोपिकाओं के साथ गौकुल-वृंदावन में थे तब नौ वर्ष से भी छोटे रहे होगें। अति मनोहर रूप, बांसुरी बजाने में अत्यंत निपुण, अवतारी आत्मा होने के कारण जन्मजात प्रतिभाशाली आदि तमाम बातों के कारण वे आसपास के पूरे क्षेत्र में अत्यंत् लोकप्रिय थे। नौ वर्ष के बालक का गोपियों के साथ नृत्य करना एक विशुद्ध प्रेम और आनंद का ही विषय हो सकता है। अत कृष्ण रास को शारीरिक धरातल पर लाकर उसमें मोजमस्ती या भोग विलास जेसा कुछ ढूंढना इंसान की स्यवं की फितरत पर निर्भर करता है। कृष्ण के प्रति कोई राय बनाने से पूर्व इंसान को गीता को समझना होगा क्योंकि उसके बिना कोई कृष्ण को वास्तविक रूप में समझ ही नहीं पाएगा।

कुछ आसान और

अचूक टोटके

समय की कमी और भागदोड़ से भरी जिंदगी ने आज इंसान को हेरान परेशान कर रखा है। यहां हम जिन टोटकों यानि कि युक्तियों को दे रहें हैं वे ऐसी ही अद्भुत और कारगर युक्तियां हैं। ये तुलसी रामायण के प्रामाणिक और शक्ति सम्पन्न अंस हैं। जिनको सूर्योदय से पूर्व पूर्ण शांत एवं पूर्ण एकांत स्थान पर मात्र 15 मिनिट मंत्र की तरह जपने से इच्छित मनोकामना अवश्य पूर्ण होती है।

- धन-समृद्धि की वृद्धि के लिये - जे सकाम नर सुनहिं जे गावहिं, सुख सम्पति नाना विधि पावहिं ।
- मुकद्दमा जीतने के लिये - पवन तनय बल पवन समाना, बुद्धि विवेक विज्ञान निधाना ।
- पुत्र प्राप्ति के लिये - प्रेम मगन कोशल्या निशिदिनि जात न जान, पुत्र सनेह बस माता बालचरित कर गान ।

अमेरिका में रेल पुल ढहने से मालगाड़ी के कई टैंकर नदी में गिरे

– डामर और सल्फर पानी में बहा, कई इलाकों में वॉटर सप्लाई बंद

वाशिंगटन । अमेरिका के मोंटाना राज्य में येलोस्टोन नदी पर बना एक पुल शनिवार तड़के ढह गया, जिससे खतरनाक सामग्री ले जा रही मालगाड़ी के कुछ डिब्बे नीचे तेज पानी के बहाव में गिर गए। स्टिलवॉटर काउंटी की आपदा और इमरजेंसी सेवाओं ने कहा कि मालगाड़ी के टैंकरों में गर्म डामर और पिघला हुआ सल्फर लदा था। दुर्घटना के बाद खतरे का मूल्यांकन करते समय अधिकारियों ने नदी के नीचे के बहाव वाले इलाकों में पीने के पानी की सप्लाई बंद कर दी। एक रिपोर्टर ने कुछ टैंकरों से एक पीला पदार्थ निकलते देखा। काउंटी की इमरजेंसी सेवाओं के प्रमुख डेविड स्टैमी ने कहा कि साइट पर काम कर रहे कर्मचारियों के लिए तत्काल कोई खतरा नहीं है। ट्रेनों में लदी खतरनाक सामग्री की मात्रा उफनती नदी के कारण कम हो रही है। नदी में तीन डामर टैंकर और चार सल्फर के टैंकर गिरे थे। वही मोंटाना रेल लिंक के प्रवक्ता एंडी गारलैंड ने एक बयान में कहा कि ट्रेन का चालक दल सुरक्षित है और किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। उन्होंने कहा कि ठंडे तापमान के संपर्क में आने पर डामर और सल्फर दोनों तेजी से जम जाते हैं। बताया गया है कि बिलिंग्स से लगभग लगभग 64 किलोमीटर पश्चिम में कोलंबस शहर के पास स्टिलवॉटर काउंटी में हुई इस रेल दुर्घटना के बाद रेलकर्मी घटनास्थल पर पहुंच गए थे। यह इलाका येलोस्टोन नदी घाटी के कम आबादी वाले हिस्से में है, जो रेंच और खेतों से घिरा हुआ है। वहां नदी येलोस्टोन नेशनल पार्क से काफी दूर बहती है, जो लगभग 177 किलोमीटर दक्षिण पश्चिम में स्थित है। गारलैंड ने कहा कि हम इस घटना के कारण इलाके पर किसी भी संभावित असर से निपटने और दुर्घटना के पीछे के कारणों को समझने के लिए उसके हिसाब से काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। जबकि हाई-स्पीड इंटरनेट सेवा देने वाले ग्लोबल नेट ने कहा कि पुल ढहने से राज्य में कई ग्राहकों को इंटरनेट सेवा देने वाली फाइबर-ऑप्टिक केबल भी टूट गई। बहरहाल पुल के टूटने के कारणों की जांच की जा रही है। हाल की भारी बारिश से नदी उफन गई थी। यह साफ नहीं है कि इसके कारण ही पुल टूटा है या किसी और कारण से टूटा है।

अल्पसंख्यकों को बनाया निशाना, पेशावर में सिख दुकानदर की गोली मारकर हत्या

पेशावर । पाकिस्तान के पेशावर में अल्पसंख्यकों को निशाना बनाया जा रहा है, यहां एक सिख दुकानदार की गोली मारकर हत्या कर दी गई। जबकि एक दिन पहले भी एक सिख व्यक्ति की हत्या के प्रयास का मामला सामने आया था। मिली जानकारी के अनुसार 32 वर्षीय मनमोहन सिंह के रूप में पहचाने जाने वाले व्यक्ति की खैबर पख्तूनख्वा में पेशावर के रशीद गढ़ी बाजार में गोली मारकर हत्या कर दी गई। इससे एक बार फिर पड़ोसी देश में अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्यों की सुरक्षा पर सवाल खड़ा हो गया। इससे पहले शुक्रवार को पेशावर में तरलोक सिंह नाम के एक सिख दुकानदार को अज्ञात लोगों ने गोली मार दी थी, लेकिन वह जान बचाने में कामयाब रहे। सोशल मीडिया पर यह खबर खूब चल रही है। हालांकि मानवतावादी समूह यूनाइटेड सिख के ट्विटर पर इस घटना के बारे ट्वीट किया गया। ट्वीट में कहा गया है कि 'मनमोहन सिंह पेशावर के रशीद गढ़ी में एक किराने की दुकान चलाते थे और अपने परिवार के लिए कमाने वाले एकमात्र व्यक्ति थे। इससे जहां एरिया में सनसनी फैल गई, वहीं सिख समुदाय में भी भारी रोष व्याप्त हो गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार घटना उस वक्त हुई जब मनमोहन अपनी दुकान बंद कर घर जा रहे थे। उसी समय दो मोटरसाइकिल सवार हमलावरों ने पहले उनका पीछा किया और फिर उन पर गोलियां चला दीं, इसके बाद उनकी मौके पर ही मौत हो गई। उनके परिवार में पत्नी, एक बच्चा, बुजुर्ग माता-पिता, एक बहन और एक विकलांग भाई है। मानवतावादी समूह यूनाइटेड सिख्स ने कहा कि वे पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा के लिए राज्य विभाग के हस्तक्षेप की मांग करने के लिए अन्य समूहों के साथ पाकिस्तान वाणिज्य दूतावास से मुलाकात करेंगे। उन्होंने कहा कि हम पाकिस्तानी सरकार से इन हमलों के अपराधियों को सजा दिलवाने के हर संभव प्रयास करेंगे। यूनाइटेड सिख्स ने आगे कहा कि हत्या का यह पैटर्न बहुत डरावना है, नापाक साजिश का हिस्सा लगता है। सिख 1947 से पाकिस्तान में शांति से अल्पसंख्यक के रूप में रह रहे हैं। अचानक कड़ी मेहनत करने वाले सिखों पर ये घातक हमले हो रहे हैं? उनके पीछे कौन है? संदेश क्या है?' गौरतलब है कि कि लगभग 300 सिख परिवार, जिनमें अधिकतर पश्तून सिख हैं, वर्तमान में पेशावर की कॉलोनियों में रह रहे हैं। समुदाय के सदस्य लगातार हिंसा के खतरे में जी रहे हैं, हाल के वर्षों में उन्हें कई बार निशाना बनाया है।इसके लिए कार्रवाई होनी चाहिए।

सैनिकों में महिलाओं की भागीदारी पर संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा की बैठक

जिनेवा । सैनिकों में महिलाओं की भागीदारी को लेकर संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा समिति की बैठक होने जा रही है। जानकारी के अनुसार संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा प्रमुख जीन-पियरे लैक्रोइक्स दिसंबर में घाना में होने वाली मंत्रिस्तरीय बैठक संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा में महिलाएं के लिए बांग्लादेश में तैयारी करने जा रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र के एक प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के उप प्रवक्ता फरहान हक ने कहा कि 5 दिसंबर से अकरा में शुरू होने वाले दो दिवसीय संयुक्त राष्ट्र मंत्रिस्तरीय सत्र से पहले ढाका सम्मेलन ऐसी चार बैठकों में से पहली है। ढाका बैठक 26 जून को समाप्त होगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हक ने कहा कि बांग्लादेश, कनाडा और उरुग्वे द्वारा सह-आयोजित तैयारी सत्र में सेना और पुलिस में योगदान देने वाले देशों के प्रतिनिधियों और संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना विशेषज्ञों को सुनना है, जो संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना में महिलाओं की सार्थक भागीदारी को बढ़ावा देने और लिंग को बढ़ावा देने के लिए प्रगति, चुनौतियों और अच्छी प्रथाओं पर चर्चा करेंगे। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश से, अवर महासचिव लैक्रोइक्स 27 जून से 3 जुलाई के बीच आयोजित संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों में शामिल होंगे। इसके लिए अन्य देशों के समर्थन पर बैठक करने वह नेपाल व भूटान जाएंगे।

पत्नी को डिनर में ड्रग्स देकर अंजान लोगों से करवाता था रेप, वीडियो भी बनाए

पेरिस । फ्रांस के शहर मजान में एक शख्स अपनी पत्नी के डिनर में ड्रग्स देकर अंजान लोगों से उसका रेप करवाता पकड़ा गया। जानकारी के अनुसार उसने अपनी पत्नी को सैकड़ों बार दुष्कर्म का शिकार बनवाया तथा इस वारदात की पति ने वीडियो भी बनाई। मीडिया में आई खबर के मुताबिक इस सनकी पति के पास से कुल 83 ऐसे वीडियो बरामद हुए हैं। खास बात यह है कि जिन लोगों ने इस हैवान की पत्नी से साथ संबंध बनाए वो ना तो पति को जानते थे और ना ही पीड़ित महिला को। आरोपी पति की पहचान डोमिनिक पी के रूप में हुई है। वो इंटरनेट के माध्यम से एक ऐसे ग्रुप के साथ जुड़ा हुआ था जहां 'बिना सहमति के सेक्स' पर चर्चा होती थी। इस ग्रुप का शीर्षक था 'विदाउट हर नोइंग' यानी महिला की जानकारी के बिना उसके साथ संबंध बनाना। इस ग्रुप के सदस्य ऐसी महिलाओं के साथ संबंध बनाते थे जो महिला को पहले से नहीं जानते थे।

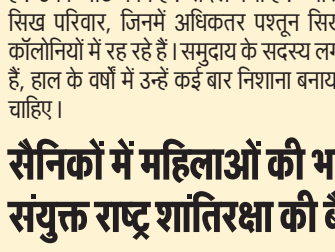

डोमिनिक ने सभी फिल्मों को अपनी यूएसबी ड्राइव में सेव किया हुआ था। इस ड्राइव के फोल्डर का नाम था 'एब्यूज' यानी शोषण करना दे रखा था। डोमिनिक अपनी पत्नी के डिनर में 'लोराजेप्म' नामक ड्रग्स मिला देता था। इसके असर के बाद पत्नी गहरे नशे में होती थी। उसे पता ही नहीं चलता था कि उसके साथ क्या हो रहा है। पुलिस ने इस मामले में फिलहाल 51 युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। सभी को कस्टडी में ले लिया गया है। महिला के साथ रेप के कुल 92 मुकदमे दर्ज किए गए हैं। यह सभी घटनाएं साल 2011 से 2020 के बीच हुई। बताया गया कि गिरफ्तार किए गए सभी 51 आरोपियों की उम्र 26 से 73 साल के बीच है। इन आरोपियों में नेताओं से लेकर फायर सर्विस से जुड़े अधिकारी, जेल का गार्ड, नर्स और पत्रकार शामिल हैं। इनमें से 33 लोग साल 2021 तक जेल जा चुके है। अभी भी ऐसे बहुत से आरोपी हैं जिनकी पहचान नहीं हो सकी है। दरअसल, घर के पास एक मार्केट में डोमिनिक कुछ महिला की स्कर्ट की फिल्म बना रहा था। शिकायत होने पर उसे गिरफ्तार किया गया। जिसके बाद उसके द्वारा की गई इन सभी घटनाओं का खुलासा हो सका है।

सिंगापुर में समलैंगिक समुदाय के प्रति समर्थन के लिए पिंग डॉट इवेंट में भाग लेते हुए लोग।

प्रथम विश्व युद्ध के भारतीय शहीदों को पीएम मोदी ने किया नमन

काहिरा । पीएम नरेंद्र मोदी ने मिस्र की राजधानी काहिरा में स्थित हेलियोपोलिस वॉर मेमोरियल का रविवार को दौरा किया। यह हेलियापोलिस वॉर मेमोरियल भारत के लिए काफी खास है। बताया जाता है कि प्रथम विश्व युद्ध में शहीद हुए करीब चार हजार सैनिकों की वीरगाथाएं आज भी इस वॉर मेमोरियल पर दर्ज हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी यहां पहुंचकर इन सैनिकों को नमन किया और इन्हें श्रद्धांजलि दी। इसके अलावा ऐतिहासिक अल हाकिम मस्जिद का दौरा किया। मिस्र की राजधानी काहिरा पहुंचने के बाद वह पीएम मोदी का उनके समकक्ष मुस्तफा मैडबौली ने स्वागत किया। हेलियापोलिस वॉर मेमोरियल या युद्ध कब्रिस्तान, पोर्ट टेवफिक में स्थित है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां पर प्रथम विश्व युद्ध में लड़ने वाले करीब 4,000 भारतीय सैनिकों के नाम अंकित हैं। हेलियोपोलिस कब्रिस्तान उन 1,700 कॉमनवेल्थ सैनिकों की भी याद दिलाता है जो द्वितीय विश्व युद्ध में मारे गए थे। यह स्मारक उन 3,727 भारतीय सैनिकों की याद में बनाया गया है जो प्रथम विश्व युद्ध में मिस्र और फिलिस्तीन के कई अभियानों में लड़ते हुए शहीद हो गए थे। गौरतलब है कि पोर्ट टेवफिक स्मारक का अनावरण सन् 1926 में किया गया था। यह स्वेज नहर के मुख्य द्वार पर स्थित है। पोर्ट टेवफिक को अब पोर्ट स्वेज के नाम से जाना जाता है। सन् 1967 के इजरायली-मिस्र युद्ध में मिस्र के सैनिकों के पीछे हटने के कारण इस स्मारक को नष्ट कर दिया गया था। सन् 1980 में हेलियोपोलिस कॉमनवेल्थ वॉर मेमोरियल के तहत मिस्र और फिलिस्तीन के लिए प्रथम विश्व युद्ध के तहत जान गंवाने वाले भारतीय सैनिकों की याद में इसे फिर से तैयार किया गया। इतिहासकारों के मुताबिक भारतीय सैनिकों ने मिस्र और फिलिस्तीन में स्वेज नहर को सुरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

पीएम मोदी पहुंचे काहिरा, किया एक हजार साल पुरानी अल-हाकिम मस्जिद का दौरा

काहिरा (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मिस्र की राजधानी काहिरा स्थित अल-हकीम मस्जिद का दौरा किया। बताया जा रहा है कि यह मस्जिद एक हजार साल पुरानी है। इसे यूनेस्को ने विश्व विरासत सूची में भी शामिल किया हुआ है। इतिहासकारों के मुताबिक 11वीं सदी की यह मस्जिद काहिरा में दाऊदी बोहरा समुदाय के लिए बहुत ही ज्यादा सांस्कृतिक महत्व रखती है। इस समुदाय की मदद से ही इस मस्जिद का निर्माण किया गया था। फरवरी में इस मस्जिद को दोबारा खोला गया था। हालांकि कई विशेषज्ञ हजारों साल पुरानी इस मस्जिद में पीएम मोदी की यात्रा को काफी अलग तरीके से देख रहे हैं। उनका कहना है कि मिस्र आकर इस मस्जिद का दौरा करना द्विपक्षीय संबंधों में गेम चेंजर साबित होगा। उन्होंने पीएम मोदी के इस दौरे की तारीफ की है। बता दें कि सन् 1997 के बाद कोई भारतीय पीएम मिस्र की यात्रा पर गया है।

यह मस्जिद मिस्र के मुसलमानों के लिए सबसे पवित्र स्थलों में से एक है। मस्जिद, अल-मुइज स्ट्रीट के पूर्वी तरफ स्थित है। जानकारी के अनुसार, दाऊदी बोहरा इस्माइली शिया संप्रदाय ने मस्जिद के लिए स्थानीय मुद्रा में करीब 85 मिलियन पाउंड का दान दिया। इस साल फरवरी में इसे जनता के लिए दोबारा खोल दिया गया। मस्जिद के रेनोवेशन का श्रेय भारतीय बोहरा समुदाय के सुल्तान मुफद्दल सैफुद्दीन और उनके आध्यात्मिक नेता 53वें अल-दाई अल-मुतलक को जाता है। राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी के प्रवक्ता बासम राडी ने बताया

कि राष्ट्रपति ने कई मंदिरों और ऐतिहासिक मस्जिदों के नवीनीकरण के लिए उनका आभार जताया है। इस मस्जिद का निर्माण, मिस्र के तुलुनिद साम्राज्य के संस्थापक अहमद इब्न तुलुन ने 879 ईस्वी में शुरू कराया था और यह 1013 में पूरा हुआ। यह मिस्र की चौथी सबसे पुरानी मस्जिद और काहिरा में दूसरी सबसे बड़ी मस्जिद है।

हालांकि समय गुजरने के साथ ही मस्जिद काफी जर्जर हो गई थी। यहां पर 19वीं और 20वीं दी में मिस्र में यूरोप से पर्यटकों का आना शुरू हो गया। तब इसके परिसर को एक किले, अस्तबल, एक संग्रहालय, एक गोदाम और एक स्कूल में बदल दिया गया था। सन् 1979 में, इसके एक हिस्से को काहिरा में मौजूद यूनेस्को की विश्व विरासत सूची में शामिल किया गया था।

आईएमएफ पैकेज हासिल करने के प्रयास में पाकिस्तानी जनता पर लदेंगे टैक्स

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान की जनता के लिए आने वाले दिन बड़े मुसीबत भरे होने वाले हैं। क्योंकि अब गहरे आर्थिक संकट में घिरी सरकार भयंकर टैक्स लादने वाली है। जानकारी के अनुसार इस समय शहबाज सरकार अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के रुके हुए राहत प्रोग्राम को शुरू करने की जद्दोजहद में लग गई है। क्योंकि आईएमएफ पैकेज को हासिल करने के सरकार का यह आखिरी प्रयास होगा। इस पैकेज के लिए सरकार वित्तीय वर्ष 2024 के लिए अपने बजट में कई बदलाव करने पर सहमत हुई है। देश के वित्त मंत्री इशाक डार ने संसद में इस बात की जानकारी दी है। इसके साथ ही कई नए कर भी जनता पर थोपने की तैयारी है। डार ने सांसदों से कहा, पेंडिंग रिव्यू को पूरा करने के अंतिम प्रयास के तहत पाकिस्तान और आईएमएफ के बीच विस्तृत बातचीत हुई है। उन्होंने कहा कि अगले महीने से शुरू होने वाले वित्तीय वर्ष के लिए, सरकार 215 अरब रुपए के नए कर लगाएगी। साथ ही खर्च में 85 अरब रुपए की कटौती करेगी। उनका कहना था कि इसके साथ ही राजकोषीय घाटे को कम करने के लिए कई और उपाय भी किए जाएंगे।

गौरतलब है कि फ्रांस की राजधानी पेरिस में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने आईएमएफ की मुखिया क्रिस्टालिना जॉर्जीवा से मुलाकात की थी। वित्त मंत्री की तरफ से यह ऐलान उस मीटिंग के एक दिन बाद ही किया गया है। साल 2019 में आईएमएफ की विस्तारित फंड सुविधा (ईएफएफ) 30 जून को खत्म हो रही है। इसमें अब एक ही हफ्ता बचा है। इस साल फरवरी में कर्ज राहत कार्यक्रम के लिए आईएमएफ और पाकिस्तान सरकार के बीच नौवीं समीक्षा के लिए मीटिंग हुई थी। 6.5 अरब डॉलर के कर्ज के लिए हुई रिव्यू मीटिंग बिना किसी नतीजे के खत्म हो गई।

पाकिस्तान, नवंबर 2022 से ही 1.1 अरब डॉलर की मदद राशि को हासिल करने की कोशिशें कर रहा है। पाकिस्तान 215 अरब रुपए वाले नए कर लगाने के लिए राजी हो गया है। ईएफएफ के तहत 9वीं समीक्षा को पूरा करने के लिए आईएमएफ के अधिकारियों के साथ तीन दिनों तक चली बातचीत के बाद इस पर रजामंदी बनी है।

पीएम मोदी की राजकीय यात्रा दोनों देशों के संबंधों के 'नए साहसिक अध्याय' की शुरुआत: गार्सेटी

वाशिंगटन (एजेंसी)। भारत में अमेरिका के राजदूत एरिक गार्सेटी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की राजकीय यात्रा को इतिहास में भारत-अमेरिका संबंधों के ''नए साहसिक अध्याय'' की शुरुआत के रूप में याद किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह दो देशों के बीच रिश्ते से कहीं बढ़कर है, ''यह सच्ची व गहरी दोस्ती है।'' गार्सेटी (52) ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए साक्षात्कार में कहा, '' मुझे लगता है कि यह यात्रा इतिहास में परिस्थिति बदलने वाली और अमेरिका तथा भारत के संबंधों में एक नए साहसिक अध्याय की शुरुआत के रूप में दर्ज की जाएगी। यह वर्षों तथा दशकों की कड़ी मेहनत का फल है।''

उन्होंने कहा कि यह (संबंध) उम्मीदों से काफी आगे निकल गए हैं, चाहे वह प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति जो बाइडन के बीच व्यक्तिगत संबंध हो, चाहे वह सरकारों द्वारा किए गए व्यापक कार्य हों या चाहे वह लोगों, उद्योगपतियों, सांस्कृतिक नेताओं आदि के बीच के संबंध हों। गार्सेटी ने कहा, '' यह भविष्य के बारे में है। मुझे लगता है कि अमेरिका और भारत ही भविष्य हैं, जो एक साथ मजबूती से खड़े हैं और हम दुनिया को कैसे अधिक समृद्ध बना सकते हैं उसकी राह दिखा रहे हैं...'' गार्सेटी ने कहा कि इस यात्रा में शांति, समृद्धि, ग्रह और लोग चार पहलू मुख्य रहे। गार्सेटी ने कहा,'' यह अब एक सर्वव्यापी रिश्ता है। यह एक रिश्ते से कहीं बढ़कर है। यह सच्ची व गहरी दोस्ती है।''

लगभग 80 सेंटीमीटर पूर्व की ओर झुक गई धरती

-क्या पृथ्वी का बिगड़ेगा बैलेंस? आएगी तबाही

वाशिंगटन (एजेंसी)। इंसानों द्वारा ग्राउंडवॉटर की बेतहाशा पंपिंग से पृथ्वी दो दशकों से भी कम वक्त में 4.36 सेंटीमीटर/प्रतिवर्ष की स्पीड से लगभग 80 सेंटीमीटर पूर्व की ओर झुक गई है। एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार जलवायु मॉडल के आधार पर, वैज्ञानिकों ने पहले अनुमान लगाया था कि 1993 से 2010 तक मनुष्यों ने 2,150 गीगाटन भूजल पंप किया था।

जो समुद्र के स्तर में 6 मिलीमीटर (0.24 इंच) से अधिक वृद्धि के बराबर था। लेकिन इस अनुमान की पुष्टि करना कठिन है। शोध में यह भी सामने आया है कि ज्यादातर ग्राउंट वॉटर दुनिया के दो क्षेत्रों- अमेरिका के पश्चिमी इलाके और उत्तर-पश्चिमी भारत में इस्तेमाल किया गया है। अध्ययन का नेतृत्व करने वाले और सियोल नेशनल यूनिवर्सिटी के एक भूभौतिकीविद् वेन सेओ का कहना है कि भूजल के रिडिस्ट्रिब्यूशन से रोटेशनल पोल के बहाव पर सबसे ज्यादा असर होता है।

मालूम हो कि भारत में पंजाब और हरियाणा के इलाकों में खेती के लिए बड़े पैमाने पर भूजल का उपयोग बीते कई सालों से किया जा रहा है। शोधकर्ता मानते हैं कि पानी को एक जगह से निकालकर अमूमन नदियों और समुद्रों में ही बहाया जा रहा है। वेन सेओ ने आगे कहा कि पृथ्वी का घूर्णन ध्रुव वास्तव में बहुत बदलता है। हमारे अध्ययन से पता चलता है कि जलवायु से संबंधित कारणों में, भूजल का पुनर्वितरण वास्तव में घूर्णी ध्रुव के बहाव पर सबसे बड़ा प्रभाव डालता है। भूजल का स्थान इस बात के लिए मायने रखता है कि यह ध्रुवीय बहाव को कितना बदल सकता है। मध्य अक्षांश से जल के पुनर्वितरण का घूर्णी ध्रुव पर बड़ा प्रभाव पड़ता है।

वेन सेओ ने कहा कि देशों द्वारा भूजल की कमी दर को धीमा करने का प्रयास, विशेष रूप से उन संवेदनशील क्षेत्रों में, सैद्धांतिक रूप से बहाव में परिवर्तन को बदल सकता है। लेकिन केवल तभी जब इस तरह के संरक्षण का दृष्टिकोण दशकों तक बना रहता है। बता दें कि दुनिया में पानी एक ऐसी जरूरी चीज है कि उसके बिना पृथ्वी पर जीवन सोचा ही नहीं जा सकता है। पूरी दुनिया जमीन से पानी निकालकर अपनी प्यास मिटा रही है और जरूरत पूरी कर रही है। लेकिन हमने धरती से इतना पानी निकाल लिया है कि पृथ्वी की हालत खराब हो गई है।

रूस में बगावत हुई ठंडी, वैगनर चीफ से पुतिन का हुआ समझौता

-इससे पहले भी कई बार रूस में विद्रोह भड़कने से स्थिति बिगड़ने की नौबत आई

मॉस्को (एजेंसी)। पुतिन और प्रिगोझिन के बीच समझौता होने से रूस में बगावत की आग ठंडी हो गई है। गौरतलब है कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के खिलाफ यूक्रेन में जंग लड़ रहे भाड़े के सैनिकों वाले वैगनर ग्रुप के मुखिया येवगेनी प्रिगोझिन ने खुली बगावत कर दी। लड़ाकों ने शनिवार सुबह यूक्रेन छोड़ दिया और रूसी राजधानी मास्को की तरफ कूच शुरू कर दिया। इसके बाद दिनभर घटनाक्रम बदलता रहा। शुरू में रूस के कई शहरों में अराजकता का माहौल बन गया। हालांकि शनिवार देर रात एक बार फिर से स्थिति बदली। शनिवार देर रात रूस और प्रिगोझिन के बीच समझौते की खबर आई। दोनों के बीच बेलारूसी राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको द्वारा समझौता कराया गया। अब इस समझौते के तहत प्रिगोझिन बेलारूस जाएंगे। हालांकि प्रिगोझिन के बगावत का एलान करते ही तख्तापटल और गृहयुद्ध की संभावना बढ़ गई थी। लेकिन रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी खूब प्रयास किया। फिर भी अराजकता का माहौल खड़ा हो गया। लेकिन रूसी सरकार और प्रिगोझिन के बीच बेलारूसी राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको द्वारा समझौते के तहत अब प्रिगोझिन बेलारूस जाएंगे।

क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा कि 'लुकाशेंको ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की सहमति से मध्यस्थता की पेशकश की थी, क्योंकि वह प्रिगोझिन को लगभग 20 वर्षों से व्यक्तिगत रूप से जानते थे।' इसमें कहा गया है कि प्रिगोझिन ने कहा कि उन्होंने अपनी सेना को आदेश दिया है, जो रक्तपात से बचने के लिए मॉस्को की ओर बढ़ रहे थे और अपने ठिकानों पर लौट आए। वहीं रूस भी समझौते के लिए तैयार हो गया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार येवगेनी प्रिगोझिन ने बेलारूसी राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको की मध्यस्थता में हुए समझौते के तहत मॉस्को में अपनी सेना के मार्च को रोकने का फैसला किया। इसलिए सशस्त्र नेतृत्व करने वाले वैगनर नेता के खिलाफ लगाए गए सभी आरोप वापस लिए जा रहे हैं। दिमित्री पेसकोव ने आगे कहा कि प्रिगोझिन बेलारूस जाएंगे, और उनके साथ विद्रोह करने वाले सेनानियों पर उनकी 'मोर्चे पर सेवा' को देखते हुए कानून द्वारा मुकदमा नहीं चलाया जाएगा। यह बात तब सामने आई जब बेलारूसी राष्ट्रपति ने कहा कि वह प्रिगोझिन के साथ 'तनाव कम करने' के समझौते पर बातचीत कर रहे हैं।

यह पहली बार नहीं था कि रूस में विद्रोह भड़का हो। इसके पहले भी कई मर्तबा यहां विद्रोह भड़क चुका है। 1989 में बर्लिन की दीवार गिरने के बाद से रूस द्वारा पिछले सबसे बड़े खतरों पर नजर डालें तो पता चलता है कि 1991 में भी ऐसा हो चुका है। अगस्त 1991 में सोवियत संघ के पतन से चार महीने पहले, राष्ट्रपति मिखाइल गोर्बाचेव यूएसएसआर बनाने वाले 15 गणराज्यों को बड़े पैमाने पर स्वायत्तता प्रदान करने वाली संधि पर हस्ताक्षर को रोकने के लिए सत्ता पर कब्जा करने के कम्युनिस्ट कट्टरपंथियों के असफल प्रयास से बच गए। गोर्बाचेव क्रीमिया में अपने घर पर छुट्टियां मना रहे थे, जब 19 अगस्त को उन्हें केजीबी, सोवियत गुप्त पुलिस ने बंदी बना लिया। इस दौरान मॉस्को की सड़कों पर भी सैनिक और टैंक तैनात किए गए थे। अगले तीन दिनों में, रूसी लोकतंत्र की रक्षा के लिए हजारों लोग सड़कों पर उतर आए।

सोवियत गणराज्यों की स्वतंत्रा के दो साल बाद, 21 सितंबर और 4 अक्टूबर 1993 के बीच, येल्तसिन ने खुद को और भी बड़े संकट के केंद्र में पाया, जब कट्टरपंथी कम्युनिस्ट और राष्ट्रवादी प्रतिनिधियों ने एक खूनी विद्रोह का नेतृत्व किया जो संसद पर टैंकों के हमले के साथ समाप्त हुआ। महीनों के राजनीतिक गतिरोध के बाद विद्रोह भड़क उठा, जब येल्तसिन ने सर्वोच्च सोवियत को भंग करने के एक डिक्री पर हस्ताक्षर किया। संसद समर्थकों ने व्हाइट हाउस के अंदर विद्रोही सांसदों के साथ मोर्चाबंदी कर ली, जबकि येल्तसिन के विरोधियों ने बाहर प्रदर्शन किया। विद्रोहियों ने मॉस्को के मेयर के कार्यालयों पर कब्जा कर लिया और राज्य टेलीविजन केंद्र के एक हिस्से पर कब्जा कर लिया।

व्हाइट हाउस की 18 मंजिला इमारत की पूरी मंजिलें मलबे में तब्दील हो गई और विद्रोह कर रहे नेताओं को जेल में डाल दिया गया। इस दौरान मारे गए लोगों की संख्या आधिकारिक तौर पर 148 बताई गई है, हालांकि विद्रोहियों ने दावा किया है कि लगभग 1,000 लोग मारे गए। उस साल दिसंबर में, राष्ट्रपति की शक्तियों को बढ़ाने वाला एक नया संविधान जनमत संग्रह द्वारा अपनाया गया था। इस तरह से रूस का विद्रोह ऐतिहासिक तौर पर पूरी दुनिया जानती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पांडुचेरी के माहे जिला की आबादी 42 हजार 6 स्कूल 88 शराब की दुकानें

तिरुअनंतपुरम । पांडुचेरी के सबसे छोटे जिले माहे का क्षेत्रफल 8.69 वर्ग किलोमीटर है। इस जिले की आबादी 41816 है। यहां पर 6 स्कूल हैं। शराब की 70 दुकानें, 18 बार संचालित हो रहे हैं। यह जिला शराब कारोबार का गढ़ माना जाता है। यहां पर कुछ पुराने फ्रांसीसी चर्च, कुछ छोटे-छोटे मंदिर, एक मस्जिद है। केंद्र शासित प्रदेश पांडुचेरी का यह जिला है। जो बुनियादी सुविधाओं की कमी से जूझ रहा है। आप खुद देखें कि जिस जिले की आबादी मात्र 41000 हो। वहां पर 88 शराब की दुकानें और बार हों,तो क्या कहा जा सकता है।

राजनाथ सिंह की रैली में 5000 कार्यकर्ता भी इकट्ठे नहीं कर सकी भाजपा : दीपा दुबे

चंडीगढ़ । चंडीगढ़ महिला कांग्रेस की प्रधान दीपा दुबे ने भाजपा के अध्यक्ष अरुण सूद और शहर की सांसद किरण खेर पर निशाना साधते हुए कहा है कि पिछले 9 वर्षों में शहर में इतना विकास भाजपा द्वारा किया गया कि केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की रैली में 5000 भी भाजपा कार्यकर्ता इकट्ठे नहीं कर सकी चंडीगढ़ भाजपा। दीपा दुबे ने कहां कि केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की रैली मोदी सरकार के जनसंपर्क अभियान के तहत चंडीगढ़ में रैली करने के लिए आए थे और उनको मिली खाली कुर्सियां यह दर्शाती हैं कि चंडीगढ़ के नागरिकों का रुख किस तरफ जा रहा है। शहर की जनता जान गई है कि कौन जुमले की पार्टी है और कौन सी पार्टी मोहब्बत की दुकान देश में खोलने जा रही है 2024 में। दीपा ने कहा कि भाजपा ने शहर के बाहर से भी लोग केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की रैली में बुलाए थे। लेकिन उसके बावजूद भी कुर्सियां ना भर सके खाली कुर्सियां 2024 में चंडीगढ़ शहर में भाजपा की हार सुनिश्चित कर रही है। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का यह दौरा भी शहर वासियों के लिए निराशा पूर्ण रहा। ना कोई सौगात और ना ही शहर के नागरिकों के लिए मोदी सरकार के 9 साल पूरे होने पर जन संपर्क अभियान में कोई भी शहर के नागरिकों के लिए नई सौगात नहीं।

बिहार में बीजेपी के कार्यक्रम में बवाल के बीच हुई कई राउंड फायरिंग, कार्यकर्ता के पैर में लगी गोली

पटना। बिहार के माधेपुरा के मुरलीगंज इलाके में हैरान करने वाला मामला सामने आया है क्योंकि यहां बीजेपी के कार्यक्रम के दौरान कार्यताओं के बीच गोलीबारी हुई है। कार्यक्रम के दौरान गोलियां चलाई गई है, जिसमें गोली एक व्यक्ति को भी लगी है। माना जा रहा है कि ये कार्यकर्ता बीजेपी का है। वहीं इस मामले में तत्काल कार्रवाई करते हुए पुलिस ने गोली चलाने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में फायरिंग किए जाने की भी जानकारी सामने आई है। पुलिस को पता चला है कि आरोपी ने जिस पिस्तौल से गोली चलाई है वो लाइसेंसी गोली है। माना जा रहा है कि बीजेपी प्रबुद्ध सम्मेलन में शामिल होने के लिए कार्यकर्ता एकत्र हुए थे, जिस दौरान ये हादसा हुआ है। पुलिस मामले में तफ्तीश करने में जुटी है कि आरोपी ने ये गोली क्यों चलाई है और गोली बाजी करने के पीछे उसका मकसद क्या है।

तेलंगाना : हिजाब विवाद में प्रधानाचार्य, शिक्षकों के खिलाफ मामला दर्ज

हैदराबाद। तेलंगाना में एक स्कूल में एक छात्रा के हिजाब पहनने पर आपत्ति जताई गई है। इस मामले में एक प्रधानाचार्य और तीन शिक्षकों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। पुलिस ने इस मामले में जानकारी शनिवार को मुहैया कराई है। पुलिस सूत्रों का कहना है कि इस मामले में एक 10वीं कक्षा की छात्रा शामिल है, जिसने शिकायत हिजाब पहनने को लेकर स्कूल में छात्रा को स्कूल में आने से मना किया था। पुलिस सूत्रों ने बताया कि यह मामला दसवीं कक्षा की एक छात्रा की शिकायत के बाद दर्ज किया गया, जिसने दावा किया था कि कक्षा में उसके हिजाब पहनने को लेकर शुक्रवार को आपत्ति जताई गई थी। उन्होंने कहा कि लड़की को कक्षा के अंदर कथित तौर पर हिजाब न पहनने के लिए कहा गया था। पुलिस ने बताया कि किशोर न्याय अधिनियम समेत अन्य प्रासंगिक धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई है और मामले की जांच जारी है।

खजराना मंदिर के गर्भ गृह में सारा खान की पूजा करने से हिंदू श्रद्धालु भड़के

इंदौर । फिल्म अभिनेत्री सारा अली खान शनिवार को इंदौर में थी। उन्होंने खजराना गणेश मंदिर जाकर गर्भगृह में भगवान का अभिषेक किया। खजराना मंदिर में जाने वाले श्रद्धालुओं को गर्भ ग्रह तक नहीं जाने दिया जाता है। सभी को बाहर ही रोका जाता है। जिस तरह से पंडे और पुजारियों द्वारा फिल्मी सितारों, वीवीआइपी, अधिकारियों और अन्य लोगों को गर्भ ग्रह में ले जाकर पूजा और अभिषेक कराया जाता है। इससे हिंदू श्रद्धालु भड़क उठे हैं। श्रद्धालुओं की खजराना मंदिर से गहरी आस्था जुड़ी हुई है। लेकिन जिस तरह से भगवान को वीआईपी के लिए बना दिया गया है। इसको लेकर लोगों में नाराजगी देखने को मिल रही है। कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता नीलाभ शुक्ला ने भी गर्भ ग्रह को सभी श्रद्धालुओं के लिए बंद किया गया है। भगवान के दर पर केवल वीआईपी प्रवेश को लेकर लोग नाराज हैं। उन्होंने अपनी आपत्ति दर्ज कराई है।

दिल्ली रेलवे स्टेशन पर सामने आई लापरवाही, करंट लगने से हुई महिला की मौत

नई दिल्ली। रेलवे स्टेशन पर बारिश के मौसम की शुरुआत होती ही एक महीला की करंट लगने से मौत हो गई। ये रेलवे की बड़ी लापरवाही को उजागर कर रही है। बारिश के बीच खंबे में करंट आ रहा था,जिस कारण महिला खंबे के पास हुई वॉटर लॉगिंग के पानी की चपेट में आ गई जिसमें करंट दौड़ रहा था। इस दौरान महिला को करंट लगा और उसे अस्पताल ले जाया गया जहां उसकी मौत हो गई। इस मामले में रेलवे ने जांच शुरू कर दी है। बता दें कि मृतका की पहचान दिल्ली के प्रीत विहार की रहने वाली साक्षी आहूजा के तौर पर हुई है। साक्षी की मौत उस समय हुई जब वो सुबह 5.30 बजे नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर पहुंची थी। उसके साथ दो महिलाएं और तीन बच्चे थे। साक्षी को भोपाल शताब्दी एक्सप्रेस ट्रेन पकड़नी थी। रात से ही हो रही तेज बारिश के कारण स्टेशन पर पानी भरा हुआ था। इसी बीच स्टेशन पर जाने के दौरान महिला ने रोड पार करने के लिए सहारा लेने के लिए खंबा पकड़ा, जिससे उसे जोरदार करंट लग गया। ये करंट इतना जोरदार था कि महिला वहीं गिर गई। जब आसपास के लोगों ने देखा तो उन्होंने महिला को बचाने की कोशिश की और उसे सावधानी के साथ खंबे से दूर किया। इसके बाद महिला को तत्काल अस्पताल पुहंचाया गया जहां उसने दम तोड़ दिया।

बारिश के कारण हुई थी वॉटर लॉगिंग : माना जा रहा है दिल्ली रेलवे स्टेशन के पास बारिश होने के कारण वाटर लॉगिंग हुई थी। पास बने बिजली के खंबे का सहारा लेने के दौरान महिला इसका शिकार हो गई। इस मामले में पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक रेलवे पुलिस भी मामले की जांच में जुटी हुई है। पुलिस ये जानने में जुटी है कि इस मामले में लापरवाही किसकी ओर से हुई है। बता दें कि घटना की जानकारी मिलने के बाद फौरेंसिक टीम भी घटना स्थल पर पहुंची है।

ओवैसी की सभा में लगे औरंगजेब अमर रहें के नारे

मुंबई । महाराष्ट्र में असदुद्दीन ओवैसी की सभा के दौरान औरंगजेब अमर रहें के नारे लगाए गए। इस तरह ओवैसी की रैली के बीच एक बार फिर से औरंगजेब का जिन्ह निकलकर सामने आ गया है। यहां बुलढाणा में एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी मंच से अपने समर्थकों को संबोधित कर रहे थे, कि इसी बीच कुछ लोग ने औरंगजेब के समर्थन में अमर रहे के नारे लगाने शुरू कर दिए। इसके बाद एक बार फिर से महाराष्ट्र में औरंगजेब को लेकर सियासत तेज हो गई है। कोल्हापुर में वॉट्सएप स्टेटस लगाने से शुरू हुए औरंगजेब विवाद को लेकर महाराष्ट्र में बीते कुछ समय से चर्चा जोरों पर देखने को मिली है। औरंगजेब विवाद के बीच महाराष्ट्र के डेप्युटी सीएम देवेंद्र फडणवीस और औवेसी के बीच जुबानी जंग भी दिखी थी। गौरतलब है कि महाराष्ट्र में बीते हाल ही के दिनों में औरंगजेब और गोडसे के नाम पर जमकर पॉलिटिक्स देखने को मिली थी। डेप्युटी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा था कि न जाने कहां से समय समय पर ये औरंगजेब की औलादें चली आती हैं? इसके बाद ओवैसी ने पलटवार करते हुए कहा था कि महाराष्ट्र के डेप्युटी सीएम को लगता है कि इतिहास की ज्यादा ही जानकारी है। एआईएमआईएम चीफ ने कहा कि हमें तो इतनी जानकारी नहीं कि कौन किसकी औलाद है अगर फडणवीस को इतनी ही जानकारी है तो बता दें कि फिर गोडसे की औलाद कौन है?

भाजपा सबका साथ सबका विश्वास के नारे के साथ लड़ेगी 2024 का चुनाव

-अल्पसंख्यकों को अपनी तरफ जुटाने के हो रहे प्रयास, मोर्चा देगा मोदी मित्र का प्रमाणपत्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा इन दिनों 2024 चुनाव को लेकर अपनी तैयारियों में लगातार जुटी हुई है। हालांकि 2024 चुनाव में अभी भी 10 महीने का वक्त है। लेकिन सभी पार्टियों ने अपनी-अपनी तैयारियों को शुरू कर दिया है। इस बार भाजपा सबका साथ सबका विकास के एजेंडे पर चुनाव लड़ेगी। एक ओर जहां भाजपा को हराने के लिए पटना में विपक्षी दलों की बैठक हो रही है तो वहीं दूसरी ओर भाजपा अल्पसंख्यकों को अपनी तरफ करने में जुटी हुई है। जानकारी के मुताबिक भाजपा का अल्पसंख्यक मोर्चा अपने जनसंपर्क कार्यक्रम के तहत उत्तर प्रदेश के देवबंद शहर में लगभग 150 मुसलमानों को मोदी मित्र का प्रमाण पत्र देगी। मोदी मित्र का प्रमाणपत्र भाजपा की तरफ से मुसलमानों को दिया जा रहा है। जानकार बताते हैं कि मोदी मित्र का प्रमाण पत्र भाजपा के एक बड़े कार्यक्रम का हिस्सा है। यह उन लोगों के लिए है जो मोदी की नीतियों से प्रभावित है, चाहे अब तक उनका राजनीतिक रुझान कुछ भी रहा हो। बीजेपी अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी ने बताया कि मोदी मित्र पार्टी के कार्य का हिस्सा नहीं होंगे बल्कि चुनाव से पहले हमारे समर्थन का आधार बन सकते हैं। हमारे पास इनका डेटा होगा और हम उनसे संपर्क कर सकते हैं।

मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने दावा किया कि हम प्रधानमंत्री का संदेश और सरकार के कामकाज को उनके पास पहुंच जाएंगे। उनके जरिए यह काम और लोगों तक पहुंच सकेंगे। मोदी मित्र अभियान 29 अप्रैल को शुरू हुआ था और अगले साल फरवरी तक चलेगा। इस कोशिश के लिए भाजपा ने 65 मुस्लिम बहुल लोकसभा सीटों को चुना है जहां उनकी आबादी 30 फीसदी से ज्यादा है। उत्तर प्रदेश के तेरह सीटों का चयन किया गया है जिसमें बिजनौर, अमरोहा, कैराना, नगीना, संभल, मुजफ्फरनगर, रामपुर आदि शामिल हैं। इसके अलावा पश्चिम बंगाल में 13, जम्मू-कश्मीर में पांच, बिहार में चार, केरल और असम में छह-छह, मध्य प्रदेश में तीन, हरियाणा में दो और तेलंगाना में दो का चयन किया गया है।

जानकारों का मानना है कि पसमांदा मुसलमानों, बोहरा समुदाय, मुस्लिम पेशेवरों और शिक्षित मुसलमानों तक पहुंच कोई चुनावी रणनीति नहीं है, बल्कि मोदी के सबका साथ, सबका विश्वास कार्यक्रम का एक हिस्सा है। हालाँकि, कोई इस बात से इनकार नहीं कर सकता कि भारत में मुस्लिम वोट महत्वपूर्ण है। पिछली जनगणना के अनुसार यह समुदाय देश की आबादी का 14 प्रतिशत है। एक विश्लेषण के मुताबिक, देशभर की 543 लोकसभा सीटों में से 80 सीटें ऐसी हैं जहां मुस्लिम आबादी 20 फीसदी से ज्यादा है, जबकि 65 सीटों पर मुस्लिम आबादी 30 फीसदी से ज्यादा है। पहले, भाजपा को एक मुस्लिम विरोधी पार्टी के रूप में माना जाता था, और यह कहानी तब और भी आगे बढ़ गई जब 16वें लोकसभा चुनाव (2014) में, संसद में उसका एक भी मुस्लिम सांसद नहीं था। यहीं कारण है कि भाजपा मुसलमानों को साधने में लगी है।

भाजपा के अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी ने बताया कि हम इसे नवंबर या दिसंबर में करने की कोशिश कर रहे हैं। इस कार्यक्रम में अल्पसंख्यकों में से एक लाख व्यक्तियों को दिल्ली लाया जाएगा जिन्हें स्वयं प्रधानमंत्री द्वारा संबोधित किए जाने की संभावना है। चूंकि, इसमें बड़े पैमाने पर लॉजिस्टिक प्लानिंग शामिल है, बीजेपी ने पहले ही होमवर्क शुरू कर दिया है। ये 1 लाख व्यक्ति मोदी मित्र होंगे, एक अभियान जिसके माध्यम से भाजपा उन 5,000 अल्पसंख्यकों को लक्षित करने का प्रयास करती है जो 65 अल्पसंख्यक बहुल लोकसभा क्षेत्रों में मोदी सरकार के शासन से प्रभावित हैं।

बराक ओबामा की टिप्पणी पर भारत की आधी जनता नाराज

नई दिल्ली। बराक ओबामा की टिप्पणी को लेकर भारत की आधी जनता नाराज है। यह खुलासा एक सर्वे में हुआ। बता दें कि एक एजेंसी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान हुई घटनाओं से संबंधित जनता की राय जानने के लिए पूरे भारत में एक सर्वे किया। जिसमें खुलासा हुआ है कि भारतीयों का एक बड़ा हिस्सा पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा द्वारा की गई टिप्पणी से नाराज है। इंटरव्यू के दौरान ओबामा ने कहा कि अगर जातीय अल्पसंख्यकों और मुसलमानों की रक्षा नहीं की गई तो भारत के अलग होने का खतरा है। हालांकि, राजकीय यात्रा के दौरान इस तरह की विवादास्पद टिप्पणियों पर कोई आधिकारिक भारतीय प्रतिक्रिया नहीं आई है। लेकिन, इससे भारतीयों में गुस्सा जरुर पैदा हो गया है और इसे देश और पीएम मोदी पर अनावश्यक हमले के रूप में देखा जा रहा है। इस सवाल के जवाब में प्रत्येक 10 उत्तरदाताओं में से पांच से अधिक की राय है कि भारत सरकार को ओबामा द्वारा की गई टिप्पणियों की कड़ी निंदा करनी चाहिए। इसके विपरीत, एक तिहाई से कुछ अधिक उत्तरदाताओं की राय है कि केंद्र को टिप्पणी को नजरअंदाज करना चाहिए। दिलचस्प बात यह है कि विपक्षी दलों का समर्थन करने वाले 47 प्रतिशत उत्तरदाता बहुमत के दृष्टिकोण से सहमत दिखते हैं। जबकि, 38 प्रतिशत चाहते हैं कि सरकार इसे नजरअंदाज करे। यहां गौरतलब है ?कि राजकीय यात्रा के दौरान, मीडिया आउटलेट्स, राजनेताओं और कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रपति जो बाइडेन से मानवाधिकारों और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को लेकर पीएम मोदी पर दबाव बनाने का आग्रह किया था। शुक्रवार रात प्रधानमंत्री मोदी ने अत्यधिक सफल राजकीय यात्रा संपन्न की। इस दौरान रक्षा, दूरसंचार, सेमी कंडक्टर, ऊर्जा, शिक्षा और अंतरिक्ष एक्सप्लोरेशन और क्वांटम कंप्यूटिंग सहित अन्य अग्रणी प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में कई अहम समझौते हुए। राष्ट्रपति जो बाइडेन ने औपचारिक स्वागत और आधिकारिक भोज के अलावा व्हाइट हाउस में एक निजी रात्रिभोज के लिए प्रधानमंत्री मोदी की मेजबानी की, जिसमें 500 से अधिक अतिथि शामिल हुए।

टीएमसी के साथ नहीं हो सकता गठबंधन, विपक्षी एकता में आई दरार

-पटना बैठक के 24 घंटे बाद ही ममता के साथ गठबंधन पर कांग्रेस के अधीर रंजन की दो टूक

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने साफ मना कर दिया है कि वह कभी भी टीएमसी के साथ गठबंधन नहीं करेगी। गौरतलब है कि पटना में विपक्षी दलों की बैठक के केवल 24 घंटे के भीतर ही विपक्षी एकता में दरार साफ दिखाई देने लगी है। पश्चिम बंगाल कांग्रेस के प्रमुख अधीर रंजन चौधरी ने राज्य में टीएमसी के साथ संभावित गठबंधन के बारे में स्थिति साफ करते हुए उन्होंने कहा कि इसके बारे में कुछ भी नहीं हो रहा है। चौधरी ने मुर्शिदाबाद में कहा कि 'यहां कुछ नहीं हो रहा है। नीतीश ने हमें आमंत्रित किया था और हम गए। ममता बनर्जी ने राहुल गांधी का अभिवादन किया, उन्होंने भी उन्हें नमस्कार किया। यही है। इससे ज्यादा कुछ नहीं है। उन्होंने ममता द्वारा कांग्रेस को गंदा तालाब बताए जाने का कड़ा विरोध करते हुए कहा कि इतनी जल्दी कांग्रेस अच्छी भी हो गई और टीएमसी कांग्रेस के साथ आने लगी, यह संभव नहीं है।

सूत्र बता रहे हैं कि फिर एक बड़ी बैठक होने जा रही है। बहरहाल विपक्षी दलों की एकता के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की अध्यक्षता में 10 या 12 जुलाई को शिमला में एक दूसरी बैठक होने की उम्मीद है। अधीर रंजन चौधरी ने ममता बनर्जी के कांग्रेस के बारे में दिए गए बयानों पर सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले ममता बनर्जी ने ये बोला था कि वह कांग्रेस और राहुल गांधी के बारे में क्या महसूस करती हैं। यह बात सभी ने सुनी। उन्होंने कांग्रेस की तुलना गंदे तालाब से की। आज क्या हुआ? अब कांग्रेस अच्छी हो गई। कुछ नहीं बदला है, कुछ नहीं बदलेगा। जब राहुल गांधी ने पैदल मार्च निकाला तो ममता बनर्जी ने कुछ नहीं कहा।

चौधरी ने कहा कि पूरा देश जानता है कि कांग्रेस भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ लड़ती है। अगर हम किसी मीटिंग में नहीं जाएंगे तो आप कहेंगे कि कांग्रेस लड़ना नहीं चाहती। नीतीश कुमार ने हमें आमंत्रित किया और हम गए। इसे वहीं तक रखें। गौरतलब है कि विपक्षी दलों ने शुक्रवार को पटना में एक महत्वपूर्ण बैठक के दौरान 2024 के लोकसभा चुनावों में एकजुट होकर भाजपा का मुकाबला करने का संकल्प लिया। यहां तक कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी और टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी ने पटना बैठक में एक-दूसरे को बधाई दी। इस बारे में केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा कि ये केवल निजी स्वार्थ के लिए एकजुट होने की कोशिश कर रहे हैं, क्योंकि कल की विपक्षी पारी की शुरुआत राजनीतिक ब्लैकमेल से हुई है।

भारत के इतिहास में वीर सावरकर का अहम योगदान : ब्रजेश पाठक

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने वीर सावरकर के इतिहास को माध्यमिक शिक्षा परिषद के पाठ्यक्रम में शामिल किये जाने की सराहना करते हुए कहा कि भारत के इतिहास में वीर सावरकर का अहम योगदान है। पाठक ने जिले के हल्दी रामपुर गांव में संवाददाताओं से बातचीत में सावरकर का इतिहास माध्यमिक शिक्षा परिषद के पाठ्यक्रम में शामिल करने से जुड़े एक सवाल के जवाब में कहा सावरकर हमारे पूर्वज हैं, भारत के इतिहास में उनका अहम योगदान है। पुराने राजपाट चलाने वालों ने ऐसे लोगों को हटा दिया। अकबर, हुमायूं, शाहजहां का इतिहास पढ़ाते रहे, जिन्होंने हमारे देश पर आक्रमण किया था। अब वास्तविक इतिहास को हम देश के सामने रख रहे हैं।गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) ने नौवीं से 12वीं तक की कक्षा के नैतिक, योग तथा खेल एवं शारीरिक शिक्षा पाठ्यक्रम में विनायक दामोदर सावरकर,छत्रपति शिवाजी, बिरसा मुंडा सहित 50 महापुरुषों की जीवन गाथा शामिल की है। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद के सचिव दिव्यकांत शुक्ल ने पीटीआई- को बताया, ''नौवीं से 12वीं कक्षा की नैतिक शिक्षा के पाठ्यक्रम में 50 महापुरुषों की जीवन गाथा जोड़ी गई है। इसके अलावा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी क्षेत्र से कई चीजें कंप्यूटर के पाठ्यक्रम में शामिल की गई हैं।'' कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि विरासत से संपत्ति मिल सकती है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को लोकतंत्र में जनता ने बुरी तरह से नकार दिया है।

असम बाढ़ पर आया गृह मंत्री अमित शाह का बयान, कहा- हर संभव मदद देगी सरकार

शिवहर (एजेंसी)। नई दिल्ली। असम में इन दिनों भयंकर बाढ़ का कहर मचा हुआ है। बाढ़ के कारण हालात बेहद गंभीर है। बाढ़ के पानी से लगभग 19 जिलों में पानी भर गया है। इन जिलों में रहने वाले लगभग 5 लाख लोग बुरी तरह से इस बाढ़ से प्रभावित हुए है। असम में आई बाढ़ को देखते हुए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह असम के हालात को देखते हुए मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा से भी बातचीत की है।

असम में आई बाढ़ के मद्देनजर गृहमंत्री अमित शाह ने ट्वीट कर कहा कि भारी बारिश के कारण असम के कई हिस्सों में बाढ़ जैसी स्थिति का सामना कर रहे थे। मैंने मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा से बात की हम संभव सहायता को दिया है। एनडीआरएफ की टीमें पहले ही जमीन पर राहत और बचाव अभियान चल रहा है। इसके लिए पर्याप्त बल तैयार किया गया है। अमित शाह ने इस पर लिखा कि मोदी सरकार इस कठिन समय में हमेशा असम के लोगों के साथ मजबूती के साथ खड़ी हुई है।

हिमंत बिस्वा सरमा ने किया ट्वीट

गृह मंत्री अमित शाह ने असम में मदद का आश्वासन दिया है। इसके लिए हर संभव सहायता का आश्वासन गृहमंत्री की ओर से दिया गया है। असम में बाढ़ के पीड़ितों की मदद करने के लिए असम सरकार प्रतिबद्ध है। असम सरकार हाई अलर्ट पर है। इस बाढ़ से जो भी लोग प्रभावित हैं उन्हें जरुरी सहायता दी जा रही है। असम में आई बाढ़ को लेकर हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि भारत सरकार से राज्य को मिली हर संभव मदद के लिए हम पीएम नरेंद्र मोदी का शुक्रिया करते है। एक अधिकारी ने कहा कि असम में बाढ़ की स्थिति रविवार को भी गंभीर बनी रही, नौ जिलों में चार लाख से अधिक लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हालांकि जलस्तर कम होना शुरू हो गया है। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) के एक अधिकारी ने कहा कि इस साल राज्य के विभिन्न हिस्सों में बाढ़ की पहली लहर में अब तक तीन लोगों की जान गई है। एएसडीएमए की रिपोर्ट के अनुसार, बाढ़ से बक्सा, बारपेटा, दरांग, धुबरी, गोलपारा, कामरूप, लखीमपुर, नलबाड़ी और उदलगुरी जिलों में 4,07,700 से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं।

आपातकाल के दौरान तानाशाही का विरोध करने वालों को नमन : योगी

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को आपातकाल की बरसी पर भारत के महान लोकतंत्र को अक्षुण्ण रखने के लिए बिना डरे क्रूर तानाशाही का मुखर विरोध करने वाले लोगों को नमन किया। वहीं, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कांग्रेस पर जमकर हमला किया, जबकि ब्रजेश पाठक ने आपातकाल के विरोध में उठी हर आवाज को नमन किया। आपातकाल की बरसी पर योगी ने ट्वीट किया, 'भारत के महान लोकतंत्र को अक्षुण्ण रखने के लिए बिना डरे, बिना डिगे, बिना झुके क्रूर तानाशाही का प्रखर प्रतिकार करने वाले समस्त हुतात्माओं को नमन।' इस ट्वीट के साथ योगी ने एक तस्वीर साझा की, जिसमें '25 जून 1975: आपातकाल एक कलंक' पंक्ति को प्रमुखता से उभारा गया है। वहीं, मौर्य ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए ट्विटर पर लिखा, 'कांग्रेस का मतलब आपातकाल, भाजपा का मतलब अमृतकाल! कांग्रेस को तानाशाही में, भाजपा को लोकतंत्रशाही में विश्वास।' एक अन्य ट्वीट में मौर्य ने कहा, 'कांग्रेस के डीएनए में लोकतंत्र नहीं तानाशाही है! 'कांग्रेस मुक्त भारत' देश और लोकतंत्र के लिए जूरूरी है।'

आम आदमी पार्टी है भाजपा की बी-टीम, लोकसभा चुनाव में मप्र में इसे कोई सीट नहीं देंगे: कांग्रेस विधायक

गुना (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के कांग्रेस विधायक जयवर्धन सिंह ने शनिवार को आम आदमी पार्टी (आप) को भाजपा की बी-टीम करार दिया। उन्होंने यह भी कहा कि मध्य प्रदेश में आप को लोकसभा चुनाव में कोई सीट नहीं दी जाएगी, क्योंकि इस पार्टी का राज्य में कोई आधार नहीं है। पार्टी के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह के बेटे जयवर्धन का यह बयान ऐसे समय आया है जब एक दिन पहले ही आप ने कहा था कि वह दिल्ली अध्यादेश पर कांग्रेस से समर्थन हासिल करने में नाकाम रही। आप इस वजह से पटना में विपक्ष की बैठक के बाद हुए संवाददाता सम्मेलन में शामिल नहीं हुई थी। जयवर्धन ने यहां मीडिया से कहा, ''विपक्षी एकता के लिए जरूरी है कि आप पहले अपना रुख स्पष्ट करे।''

पटना में हुई विपक्षी दलों की बैठक के बाद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा कांग्रेस से रुख स्पष्ट करने की बात के सवाल पर जयवर्धन ने कहा कि लगभग सभी विपक्षी पार्टी जो कल पटना में मौजूद थीं, वो संविधान पर भरोसा करती हैं। उन्होंने कहा कि सब यही प्रयास कर रहे हैं कि एक मंच पर रहकर सभी मिलकर अगले लोकसभा चुनाव में काम करेंगे। उन्होंने कहा, ''लेकिन अफसोस की बात है कि कल की बैठक में भी आम आदमी पार्टी के माध्यम से कुछ टिप्पणियां की गईं जो हमारी एकता के लिए शायद सही नहीं हैं। मेरा यही मानना है कि पहले आप यह बात स्पष्ट करे कि क्या वो पूर्ण रूप से कांग्रेस व विपक्ष के साथ रहेगी, क्योंकि आम आदमी पार्टी के कुछ काम से स्पष्ट दिखता है कि वो (आप) भाजपा की बी-टीम की तरह काम करती है।'' जयवर्धन ने कहा कि अगर आप कांग्रेस और अन्य दलों के प्रति प्रतिबद्ध है तो उसका स्वागत है। आप द्वारा मध्य प्रदेश में भी ताल ठोकने और लोकसभा में प्रदेश में सीट मांगने के सवाल पर उन्होंने कहा, ''सवाल ही नहीं उठता। उनकी यहां पर ऐसी कोई जमीन नहीं है। न उनके पास यहां पर ऐसी कोई नींव है।

हर राज्य में किया जाएगा भव्य तिरुपति मंदिर का निर्माण

- दुनिया के सबसे अमीर मंदिर ट्रस्ट, तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम बना रहा योजना

तिरुपति (एजेंसी)। हर राज्य में भव्य तिरुपति मंदिर बनाए जाएंगे, इसको लेकर भारत का सबसे अमीर मंदिर ट्रस्ट योजना पर काम कर रहा है। आंध्र प्रदेश में तिरूपति के पर्याय भगवान वेंकटेश्वर मंदिर की मूर्तियां देश भर में जम्मू, नवी मुंबई, गुजरात और छत्तीसगढ़ जैसे कई राज्यों में बनाई जा रही हैं। यह दुनिया के सबसे अमीर मंदिर ट्रस्ट, तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) की एक महत्वाकांक्षी योजना का हिस्सा है। इसके तहत भारत के हर राज्य और केंद्र शासित प्रदेश में तिरुपति मंदिर की कम से कम एक प्रतिकृति का निर्माण कर भगवान बालाजी की अखिल भारतीय उपस्थिति सुनिश्चित की जाएगी। साल 1933 में स्थापित टीटीडी ट्रस्ट शुरू में केवल कुछ मुट्ठी भर मंदिरों के मामलों का प्रबंधन करता था, जिसमें तिरुमाला में प्रतिष्ठित भगवान वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर, तिरुचनूर में श्री पद्मावती अम्मावरी मंदिर और तिरुपति में श्री गोविंदराज स्वामी मंदिर शामिल थे। लेकिन ट्रस्ट की स्थापना के बाद से नौ दशकों में, इसने पूरे भारत में भगवान वेंकटेश्वर को समर्पित 58 मंदिरों की स्थापना की है। हालांकि, उनमें से अधिकांश दक्षिणी राज्यों आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और तमिलनाडु में स्थित हैं।

टीटीडी ने सबसे पहले आंध्र में मंदिरों के निर्माण के लिए अधिग्रहण शुरू किया था। इस क्षेत्र के बाहर पहला मंदिर ट्रस्ट ने साल 1969 में उत्तराखंड के ऋषिकेश में बनाया था। इसके बाद साल 2019 में कन्याकुमारी में भगवान वेंकटेश्वर मंदिर की स्थापना कर विस्तार किया गया। हाल ही में, 8 जून को जम्मू में एक मंदिर खोला गया था, जहां अभी देश के गृह मंत्री अमित शाह भी दर्शन करने पहुंचे थे। ट्रस्ट गुजरात के गांधीनगर, छत्तीसगढ़ के रायपुर और बिहार में तीन और मंदिर बनाने पर विचार कर रहा है, जिसको लेकर नीतीश कुमार सरकार के साथ चर्चा भी चल रही है। ट्रस्ट ने हाल ही में महाराष्ट्र में भी भगवान बालाजी मंदिर की नींव रखी है। राज्य सरकार ने नवी मुंबई में लगभग 600 करोड़ रुपए की 10 एकड़ प्रमुख भूमि आवंटित की, जहां टीटीडी मंदिर के निर्माण पर करीब 70 करोड़ रुपए खर्च करेगा।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अवैध निर्माणाधीन कामकाज में नगरसेवक और बिल्डर्स जोड़ी का नमुना

बिल्डर्स हुए बेकाबू शैलेष नामक बिल्डर्स अनेक बांधकाम पूर्ण होने की तैयार

नगरसेवक और बिल्डर्स की जोड़ी बनाकर हों रहे कार्य

अधिकारीयों पर कार्यवाही न करने का बना रहे दबाव

सिर्फ पेपर पर हों रही कार्यवाही के नाम पर कार्यवाही.

शांतिवन सोसायटी प्लोट न.16ऐ,16बी,16सी,16डी में अवैध स्प से कब्जा कर रहे भूमाफियाओं प्रशासन बना लाचार

बमरोली में जीतेंद्र नामक व्यकित ने नगरसेवक को अपने कार्य पूर्ण करने के लिए राजमणि नामक व्यकित को दिया हवाला लोगों में चर्चा का विषय बना .

सोसायटी में सोसायटी प्रमुख,नगर सेवक,वोर्ड मेम्बर की छत्रछाया में कोंट्राक्टर और भू-माफियागिरी का चल रहा कारोबार

अवैध स्प से कार्य कराने के लिए बिल्डिंग मटेरियल करोबारी का अहम भागीदारी

अवैध वसूली से लेकर कार्य पूर्ण होने तक नगर सेवक, दलालों, और मनपा अधिकारीयों के बीच में सुई और दागे के समान कर रहे कार्य.

सुरत मनपा के अधिकारी कोई भी कार्यवाही न करें इस लिए बनाया जा रहा अधिकारीयों पर ऊपरी अधिकारीयों और प्रशासन का दबाव

1-TP-63 वड़ोद FP-123/A Block No.164 Plot No.4,5,6 ओम इंडस्ट्रीयल वड़ोद
2-TP-22 भेस्तान FP-13/A सर्वे नबर.114 Plot No. A to H गुरुकुपा इंडस्ट्रीयल एस्टेट भेस्तान
3- TP-71 वड़ोद FP-57 रे.स.न.95 Plot No.112,113,114 आकाश इंडस्ट्रीयल वड़ोद
4- TP-71 Plot No.69,70,71,हरिओम इंडस्ट्रीयल -2 वड़ोद

बमरोली आदर्श सोसायटी में अवैध स्प से रिजर्वेशन की जगह पर भी किया जा रहा कार्य